"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."

पंजीयन क्रमांक "छत्तीसगढ़/दुर्ग/सी. ओ./रायपुर 17/2002."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 3] रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 16 जनवरी 2004—पौष 26, शक 1925

विषय—सूची

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 2003

क्रमांक ई-1-5/2003/एक/2.—(1) श्री एस. पी. त्रिवेदी, भा.प्र.से. (1983), विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, वित्त एवं योजना विभाग को अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक अपने कर्त्तव्यों के साथ-साथ महानिरीक्षक, पंजीयन का प्रभार भी सौंपा जाता है.

(2) श्री अवध बिहारी, भा.प्र.से. (1991), संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, वित्त एवं योजना विभाग को अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग एवं अपर आयुक्त, भू-अभिलेख पदस्थ किया जाता है.

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव से मुद्रित तथा प्रकाशित—2004.

(3) श्री एम. आर. ठाकुर, भा.प्र.से. (1991), अपर आयुक्त, भू-अभिलेख को अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक सचिव, लोक आयोग, रायपुर पदस्थ किया जाता है.

(4) श्री सुब्रत साहू, भा.प्र.से. (1992), पंजीयक, सहकारी संस्थाएं को अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक अपने वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ-साथ प्रबंध संचालक, राज्य भण्डार गृह निगम का प्रभार भी सौंपा जाता है.

(5) श्री अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. (1993), संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, वित्त तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी "चिप्स" एवं विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी, 12वीं वित्त आयोग, को अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक अपने वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ-साथ संचालक, संस्थागत वित्त का प्रभार भी सौंपा जाता है.

रायपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 2003

क्रमांक बी-1-43/2003/4/एक.—श्री एस. के. जायसवाल, (आर.आर.-84 रा. प्र. से. प्रवर श्रेणी) मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, धमतरी की सेवाएं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से लेते हुए, उन्हें अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक, उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग पदस्थ किया जाता है.

रायपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 2003

क्रमांक बी-1-47/2003/4/एक.—श्री आई. आर. देहारी, रा.प्र.से. (आर.आर.-87, वरिष्ठ श्रेणी) अवर सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय को तत्काल प्रभाव से, अस्थाई रूप से, आगामी आदेश तक, संयुक्त कलेक्टर, बिलासपुर पदस्थ किया जाता है.

2. श्री पी. एस. सिकरवार, रा.प्र.से. (पी-94, वरिष्ठ श्रेणी) को तत्काल प्रभाव से, अस्थाई रूप से, आगामी आदेश तक, संयुक्त कलेक्टर, रायगढ़ पदस्थ किया जाता है.

3. श्री बी. एल. बंजारे, रा.प्र.से. (आर.आर.-89, प्रवर श्रेणी) उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, वन विभाग को तत्काल प्रभाव से, अस्थाई रूप से, आगामी आदेश तक, उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, ऊर्जा विभाग पदस्थ किया जाता है.

रायपुर, दिनांक 1 जनवरी 2004

क्रमांक ई-1/23/2003/एक/2.—भारतीय प्रशासनिक सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को अधिसमय वेतनमान (रु. 18400-500-22400) में पदोन्नत किया जाता है तथा उनके नाम के समक्ष उल्लिखित पद पर अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक पदस्थ किया जाता है:—

स. क्र.	अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री बी. एल. अग्रवाल, भा.प्र.से. (1988)	विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग एवं अध्यक्ष, माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर.	सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग एवं अध्यक्ष, माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर.
2.	श्री के. डी. राव, भा.प्र.से. (1988)	संचालक, कोष एवं लेखा, रायपुर	आयुक्त, कोष एवं लेखा, रायपुर

(1)	(2)	(3)	(4)
3.	श्री जवाहर श्रीवास्तव, भा.प्र.से. (1988)	कलेक्टर, दुर्ग	कलेक्टर, दुर्ग (अधिसमय वेतनमान पर).
4.	श्री चन्द्रहास बेहार, भा.प्र.से. (1988)	विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग.	सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग.

रायपुर, दिनांक 1 जनवरी 2004

क्रमांक ई-1/24/2003/एक/2.—भारतीय प्रशासनिक सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रवर श्रेणी वेतनमान (रु. 15100-400-18300) में पदोन्नत किया जाता है तथा उनके नाम के समक्ष उल्लिखित पद पर अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक पदस्थ किया जाता है:—

स. क्र. (1)	अधिकारी का नाम (2)	वर्तमान पदस्थापना (3)	नवीन पदस्थापना (4)
1.	श्रीमती रेणु जी. पिल्ले, भा.प्र.से. (1991)	संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, ग्रामोद्योग विभाग.	विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, ग्रामोद्योग विभाग.
2.	श्री अवध बिहारी, भा.प्र.से. (1991)	संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग एवं अपर आयुक्त, भू-अभिलेख.	विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग एवं अपर आयुक्त, भू-अभिलेख.
3.	श्री दुर्गेश चन्द्र मिश्रा, भा.प्र.से. (1991)	कलेक्टर, कोरिया	कलेक्टर, कोरिया
4.	श्री आर. एस. विश्वकर्मा, भा.प्र.से. (1991)	कलेक्टर, जशपुर	कलेक्टर, जशपुर

रायपुर, दिनांक 2 जनवरी 2004

क्रमांक बी-1-43/2003/4/एक.—इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 31-12-2003 द्वारा श्री एस. के. जायसवाल, (आर.आर.-84 रा.प्र.से. प्रवर श्रेणी) मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, धमतरी की सेवाएं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से लेते हुए, उन्हें अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक, उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग पदस्थ किया गया है, उक्त आदेश दिनांक 31-3-2004 तक स्थगित रखा जाता है.

रायपुर, दिनांक 2 जनवरी 2004

क्रमांक बी-1-43/2003/4/एक.—श्री डी. के. वासनीकर, (आर.आर.-87 रा.प्र.से. प्रवर श्रेणी) आयुक्त, नगर निगम, बिलासपुर की सेवाएं नगरीय विकास विभाग द्वारा इस विभाग को वापस सौंपी गई है, को अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक, उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग पदस्थ किया जाता है.

रायपुर, दिनांक 5 जनवरी 2004

क्रमांक ई-1-2/2004/1/2.—श्री ए. जयतिलक, भा.प्र.से. (के.एल.-1991), संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, पर्यटन विभाग, संचालक, पर्यटन एवं प्रबंध संचालक, पर्यटन विकास मंडल को उनके वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ-साथ अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एस. के. मिश्र, मुख्य सचिव.

रायपुर, दिनांक 1 जनवरी 2004

क्र. ई 1-21/2003/1/2.—भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1995 आवंटन वर्ष के निम्नलिखित अधिकारियों को, आवंटन वर्ष से नौ वर्ष की सेवा दिनांक 1-1-2004 को पूर्ण कर लेने के फलस्वरूप, भा.प्र.से. (वेतन) नियम, 1954 के नियम 3 (1) के परन्तुक के अंतर्गत, उक्त तिथि (1-1-2004) से, सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान (रु. 12750-375-16500) में अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक, स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है :—

क्रमांक (1)	अधिकारी का नाम (2)	वर्तमान पदस्थापना (3)
1.	श्रीमती मनिन्दर कौर द्विवेदी, भा.प्र.से. (1995)	कलेक्टर, महासमुंद
2.	श्री गौरव द्विवेदी, भा.प्र.से. (1995)	संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, वित्त विभाग एवं अतिरिक्त आयुक्त, वाणिज्यिक कर.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पंकज द्विवेदी, प्रमुख सचिव.

रायपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 2003

क्रमांक 2689/2038/2003/साप्रवि/2/लीव.—श्री सुब्रत साहू, संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, वन शिक्षा एवं संस्कृति विभाग को इस विभाग के आदेश क्रमांक 2171/1821/2003/सा.प्र.वि./1/2/लीव दिनांक 10-10-2003 द्वारा दिनांक 13-10-2003 से 14-11-2003 तक अर्जित अवकाश स्वीकृत किया गया था, इस अनुक्रम में दिनांक 15-11-2003 से 19-11-2003 तक (5 दिवस) का और अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

2. इस विभाग के आदेश क्रमांक 2171/1821/2003/सा.प्र.वि./1/2/लीव, दिनांक 10-10-2003 में उल्लेखित कंडिका 2 से 5 यथावत् रहेंगी.

रायपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 2003

क्रमांक 2721/2104/2003/1/2/लीव.—श्री कमल प्रीत सिंह, भा.प्र.से. सहायक कलेक्टर, दुर्ग को दिनांक 22-12-2003 से 16-1-2004 तक (26 दिवस) का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है, साथ ही दिनांक 20, 21 दिसम्बर 2003 एवं 17, 18-1-2004 को शासकीय अवकाश जोड़ने की अनुमति दी जाती है.

2. अवकाश से लौटने पर श्री कमल प्रीत सिंह, भा.प्र.से. आगामी आदेश तक सहायक कलेक्टर के पद पर पुनः पदस्थ होंगे.

3. अवकाश काल में श्री कमल प्रीत सिंह, भा.प्र.से. को अवकाश वेतन एवं अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलते थे.

4. प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री कमल प्रीत सिंह, भा.प्र.से. अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
के. के. बाजपेयी, अवर सचिव.

वित्त तथा योजना विभाग
[वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग]
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 2 जनवरी 2004

क्रमांक एफ 6-106/2001/वाक./पांच.—इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30-1-2002 द्वारा श्री परेश बागबाहरा भूतपूर्व विधायक को छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन लिमिटेड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था.

2. राज्य शासन, कंपनीज एक्ट, 1956 के तहत छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन लिमिटेड के लिये बनाये गये संगम-अनुच्छेद (Articles of Association) की धारा 84 (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये एतद्द्वारा, श्री परेश बागबाहरा को अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन के पद पर की गई नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से समाप्त करता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अमृता बेक, अवर सचिव.

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 16 अक्टूबर 2003

क्रमांक एफ-73/177/उ. शि./2003/38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है, जो ''बुद्धा विश्व भारती यूनिवर्सिटी, जशपुर'' कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय जशपुर(छत्तीसगढ़) में रहेगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा ''बुद्धा विश्व भारती यूनिवर्सिटी, जशपुर'' को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान-देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 16th October 2003

No. F-73/177/2003/ H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/ Technical Education in Chhattisgarh the State Government , hereby, establishes a university known as "BUDDHA VISHWA BHARTI UNIVERSITY, JASHPUR" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Jashpur (C.G.).

2. The State Government, hereby, authorises "BUDDHA VISHWA BHARTI UNIVERSITY, JASHPUR" to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

रायपुर, दिनांक 16 अक्टूबर 2003

क्रमांक एफ-73/136/उ. शि./2003/38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है, जो "एक्वाटेक यूनवर्सिटी, रायपुर" कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) में रहेगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा "एक्वाटेक यूनिवर्सिटी, रायपुर" को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 16th October 2003

No. F-73/136/2003/ H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/ Technical Education in Chhattisgarh, the State Government hereby, established a university known as "AQUATECH UNIVERSITY, RAIPUR" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Raipur (C.G.).

2. The State Government, hereby, authorises "AQUATECH UNIVERSITY, RAIPUR" to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

रायपुर, दिनांक 23 अक्टूबर 2003

क्रमांक एफ-73-45/2003/उ.शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 की उपधारा (3) के अधीन नेटवर्कर्ड यूनिवर्सिटी आफ मल्टीमोडल ग्लोबल एजूकेशन एक्सचेंज, भिलाई के कुलपति द्वारा धारा 27 की उपधारा (2) के अधीन प्रस्तुत अध्यादेशों को सहमति प्रदान करती है तथा छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 की उपधारा (4) द्वारा 22 प्रथम अध्यादेशों को अनुमोदित करता है.

यह अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

Networked University of Multi-modal Global Education eXchange

Established under Section 5 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (Chhattisgarh Adhiniyam No. 2 of 2002), vide Notification No. F73-45/2003/HE/38 Dated 29-04-2003 of Government of Chhattisgarh.

FIRST ORDINANCES

Made in accordance with the provisions under section 27 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (Chhattisgarh Adhiniyam No. 2 of 2002)

1.0 Short Title, Extent and Commencement

a. These Ordinances shall, here-in after called "The First Ordinances of Networked University of Multi-modal Global Education eXchange, 2003"

b. The First Ordinance are applicable to 'Networked University of Multi-modal Global Education eXchange' and any matter relating to or and incidental thereto.

c. The First Ordinance shall come into force on the date of publication of the First Ordinance the Government of Chhattisgarh in the Official Gazette.

d. The Registered office of the Networked University of Multi-modal Global Education eXchange shall be situated at Bhilai, Distt. Durg, Chhattisgarh.

2.0 Definitions

In these First Ordinances, unless and otherwise the context demands:

a. Act means, the Chhattisgarh Niji Kshetra University (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (Chhattisgarh Adhiniyam No. 2 of 2002).

b. Academic Year means the period from July 1 of any year to June 30 of the following year.

c. Affiliation means and includes recognition of colleges, association of colleges located in or outside Chhattisgarh including overseas, and admission of such colleges under the University for the purpose of conducting the educational, professional and vocational programs of the University.

d. Authorities mean authorities mentioned under Section 19 of the Act and under Section 9, 10, 11 First Statutes.

e. Academic Council means the Academic Council constituted under Section 22 of the Act and under Section 11.0 of First Statutes.

f. Board means the Board of Management of the University constituted under Section 21 of the Act and Section 10.0 of the First Statutes.

g. Candidate means a student of the University and includes any person who is enrolled to pursue any course of study at the University.

h. Chancellor means the Chancellor of the University as mentioned in Section 14 of the Act and Section 4.0 of First Statutes.

i. Course includes programs and courses of studies imparted in the classroom framework, distance mode and virtual campus mode.

j. Distance education includes the education / courses / programs provided to students on off campus mode.

k. Government means the Government of the State of Chhattisgarh.

l. He includes She and His includes Her.

m. Institute means by institute constituted as part of the University to deal in different disciplines, located within or outside the state of Chhattisgarh or overseas.

n. Manual of Instructions includes all rules, procedures, instructions and systems laid down by various committees, Boards, authorities, Officers of the University for the purpose of smoothly conducting the business of the University.

o. Ordinance means ordinance issued by the University as prescribed by Section 27 of the Act.

p. State means the States of India formulated under the relevant legislation of the Parliament.

q. Statutes means the Statutes made under Section 25 and 26 of the Act and includes the amendments, alternations and modifications of the Statutes.

r. Sponsor means the EDULINK Educational Society registered under the provisions of Chhattisgarh Society Registration Act, 1973 vide Society Registration No. Chhattisgarh State - 347 Dated 26-03-2003.

s. Student means a student of the University and includes any person who is enrolled to pursue any course of study at the University.

t. Staff means the teaching and non-teaching employees of the university who are on direct permanent payroll of the University and does not include any casual, temporary, contractual, ad-hoc employees or visiting persons who may be engaged for a specific assignment or task.

u. University means the Networked University of Multi-modal Global Education eXchange established under Section 5 of the Act and will have the same meaning as stated in the University Grants Commission Act, 1956.

v. Vice-chancellor means the Vice-chancellor of the University appointed within the meaning of Section 15 of the Act and Section 4.0 of First Statutes.

w. Virtual Campus includes the education / courses / programs provided to students through E-learning / website / CD-ROM etc.

x. Visitor means the Visitor as defined under Section 13 of the Act.

ORDINANCE No. 1
CONVOCATIONS
(Under Section 27 (1) (c) of Act)

1. Convocations for the purpose of conferring Degrees/Diplomas shall ordinarily be held once a year at Bhilai, Distt. Durg, Chhattisgarh or at such place(s), and on such date(s), as may be decided by the Vice-Chancellor in consultation with Visitor:

   Provided that special convocations for conferring Honourary Degrees or Degree / Diploma or for other purpose may be held on such dates and on such times as decided by the Chancellor in consultation with Visitor on the recommendation of Governing Body.

2. The Visitor, when present, shall preside over all Convocations of University and shall confer Degrees/Diplomas. When Visitor is not present, Chancellor shall preside at the Convocations of University and shall confer Degrees/Diplomas. The Vice-Chancellor shall preside at the Convocations of the University in absence of both, the Visitor and the Chancellor.

   Provided that the Governing Body, on the recommendation of the Chancellor, may invite a distinguished person to preside over Convocation.

3. The Governing Body, on the recommendation of the Chancellor, may invite a distinguished person to deliver the Convocation address at the Convocations.

4. The Vice-Chancellor shall present a report on the progress of the University at the Annual convocation.

5. The students who have passed their examination in the year for which the convocation is held, shall be eligible to be admitted to the convocation:

   Provided that in case the convocation is not held in a particular year for any reason, the Chancellor and Vice-Chancellor shall be competent to authorize admission of successful students in that year to the respective Degrees/Diplomas, in absentia and issue the Degrees/Diploma on payment of prescribed fees.

6. The Academic Council shall, from time to time, determine as to the degrees which may be conferred in person and the degrees to be conferred in absentia, at the Convocation:

   Provided that the Vice-Chancellor or in absentia of the Vice-Chancellor, by the Registrar, or a person designated by the Vice-Chancellor of the purpose, may confer degree / diploma in advance of the Annual Convocation on students proceedings to universities abroad for further studies or those requiring the same for their further academic and career development activities.

7. Such students as are unable to present themselves in person at the Convocation shall, at their request, and on payment of the prescribed fees, be awarded the Degrees/Diplomas. In absentia of the Vice-Chancellor their Degrees/Diplomas shall be issued by the Registrar, or a person designated by the Vice-Chancellor for the purpose.

8. The fees for admission to the Degree/Diploma in absentia shall be as decided by the Academic Council from time to time.

9. The Vice-Chancellor on recommendation of Academic Council shall determine the order of precedence and the academic costumes required at the Convocations.

10. The procedure to be followed at the Convocations shall be laid down by the regulations framed by the Academic Council from time to time.

ORDINANCE No. 2

THE MANNER OF APPOINTMENT, DUTIES, QUALIFICATION AND CONDITION OF SERVICES OF ACADEMIC STAFF

(Under Section of 25 (1) (d) of Act)

1. The University may appoint a academic staff working in any other university or organization for course development, preparation of instructional material, delivery of services, or for undertaking a project, or any other work for a specific period.

2. For the purpose of appointment under clause 1 above, the Bio-data / detailed resume of person working in other universities, research institutions, laboratories, etc. recommended by Schools of Studies, member of the Committees of Experts/Course-writers, and other sources will be considered by a Committee consisting of Vice-Chancellor, the Director and senior most professor of the School/Department concerned and two member nominated by the sponsor.

3. If at least three members of the committee recommends that the person concerned is suitable for appointment, a proposal for his/her appointment will be placed before the Board for its approval.

4. The terms and conditions of such appointments will be as decided by the sponsor from time to time.

5. Normally, such appointments will be for specified periods. If, however, the University is of the view that permanent absorption of such a person is in the interests of the University, and if the person concerned make a request in writing for such absorption, his case will be referred to the Selection Committee constituted under Statues 14.0.

6. If the Selection Committee under Statue 14.0 recommends his/her appointment on a regular basis, such a person will be appointed permanently in the services of the University, with the approval of the Board. The terms and conditions of such appointments will be as decided by the sponsor from time to time.

7. The direct recruitment to the post of academic staff shall be on the basis of merit through advertisement and selections by the duly constituted Selection Committees to be set up under the Statutes 14.0 of the university. The terms and conditions of such appointments will be as decided by the sponsor from time to time.

8. The Duties, Qualifications and the Conditions of Services of the Academic Staff in the University Teaching Departments and Schools of Studies, shall be as approved by the Board, on recommendation of Academic Council from time to time.

9. Recognised teachers of the University mean such persons as are approved by the University for the purpose of imparting instructions in a College or Institution or Department or School admitted to the privileges of the University. Recognised teacher of the University shall be:

   (a) Teachers of the Department or School of the University or Colleges or Institutions affiliated to the University having the qualifications & experience, as laid down for various programmes by the Academic Council.

(b) The teacher is approved by the Selection Committee as a Professor, Reader, Lecturer or in any other capacity, after following the procedure as laid down.

ORDINANCE No. 3

THE MANNER OF APPOINTMENT, DUTIES, QUALIFICATION AND CONDITION OF SERVICES OF NON-ACADEMIC STAFF

(Under Section of 25 (1) (d) of Act)

1. The University may appoint a non-academic staff working in any other university or organization for various administrative activities, delivery of services, or for undertaking a project, or any other work for a specific period.

2. For the purpose of appointment under clause 1 above, the Bio-data / detailed resume of person working in other universities, organizations, research institutions, laboratories, etc. recommended by Schools of Studies, member of the Committees of Experts, and other sources will be considered by a Committee consisting of Vice-Chancellor, Registrar, the Director Department concerned and two member nominated by the sponsor.

3. If at least three members of the committee recommends that the person concerned is suitable for appointment, a proposal for his/her appointment will be placed before the Board for its approval.

4. The terms and conditions of such appointments will be as decided by the sponsor from time to time.
5. Normally, such appointments will be for specified periods. If, however, the University is of the view that permanent absorption of such a person is in the interests of the University, and if the person concerned make a request in writing for such absorption, his case will be referred to the Selection Committee constituted under Statues 14.0.

6. If the Selection Committee under Statue 14.0 recommend his/her appointment on a regular basis, such a person will be appointed permanently in the services of the University, with the approval of the Board. The terms and conditions of such appointments will be as decided by the sponsor from time to time.
7. The direct recruitment to the post of teachers and other academic staff shall be on the basis of merit through advertisement and selections by the duly constituted Selection Committees to be set up under the Statutes 14.0 of the university. The terms and conditions of such appointments will be as decided by the sponsor from time to time.

8. The Duties, Qualifications and the Conditions of Services of the Non-Academic Staff in the University Departments and Schools of Studies, shall be as approved by the Board, from time to time.

ORDINANCE No. 4

SCHOOL OF STUDIES

(Under Section 27 (1) (i) of the Act)

1. The academic work of the university will be done through Institutes, Schools and Centres in various streams of studies. The Institute, Schools and Centres are the proposed for the various departments to create for the various faculties of studies so that the planning, supervision, development and organization of the programme and courses can be done in co-ordination with its staff and different administrative and service wings of the university.

2. In order to smoothen and make the various activities of University in order, presently the following schools of studies shall be established:

(a) School of Information Technology
(b) School of Business Management
(c) School of Commerce
(d) School of Law
(e) School of Arts

3. To this list, Board is authorised to add any school(s) on the recommendation of the Academic Council.

4. Every School of Studies (hereinafter referred to as the School) shall be responsible for those programmes as may be assigned to it by the regulations made by the Academic Council from time to time.

5. Every School shall have a Council namely 'Council of School of Studies' consisting of the following members:

(i) The Director of the School;
(ii) The Professor in the School, by rotation according to seniority, amongst the professor as appointed in the School respectively;
(iii) One Reader and One Lecturer, by rotation according to seniority, amongst the Readers and Lecturers as appointed in the School respectively;
(iv) Three persons (one Professor, one Reader & one Lecturer) from amongst the recognised teachers of the affiliated colleges/ institutions, to be nominated by Vice-Chancellor, according to seniority, in rotation (applicable in case affiliated colleges or institutions are covered in the School); and
(v) Three members nominated by the sponsor.

6. All members of the Council of School of Studies, other than ex-officio members, shall hold office for a term of two years. The term of members shall commence from such date as may be nominated. Any member can be considered for re-nomination.

7. The powers, functions and Rules of conduct of the meeting of the Council of School of Studies, shall be such as being decided by the Academic Council from time to time.

8. The Director of the School shall be Convenor and Chairman of the Council of School of Studies and his powers and duties shall be as laid down by the Academic Council from time to time.

ORDINANCE No. 5
RECOGNITION OF EXAMINATION / DEGREES
(Under Section 27 (1) (i) of the Act)

1. There shall be an Equivalence Committee consisting of the following:

(a) Vice-Chancellor	Chairman
(b) Directors of all Schools of Studies	Member Ex-Officio
(c) Registrar	Member Ex-Officio
(d) Director – Registration and Admission	Secretary
(e) Three nominees of Sponsor	Member

2. The Committee shall

   i) Recognize and determine the weightage to be given to the examination conducted by other Universities or Institutions or other examining bodies.

   ii) Decide equivalence of such examinations or qualifications as may be referred to it form time to time for the purpose of admission; and

   iii) Withhold suspend or cancel recognition of any examinations or qualifications for such reasons and for such time as it may deem fit.

3. In special cases or in exigency, the Vice-Chancellor may, if he is satisfied, grant equivalence or recognition to any examination/qualification of other Universities or Institutions or other examining bodies, with the consultation and prior approval of sponsor and Academic Council and the action taken shall be reported to the Committee.

4. The Committee may determine the procedures for the transaction of its business. It shall formulate guidelines for the purpose of determining equivalence and/or according recognition to examinations/qualifications, with the approval of the Academic Council.

ORDINANCE No. 6

DEGREES, DIPLOMAS AND CERTIFICATES

(Under Section 27 (1) (c) of the Act)

1. The University may award the following degrees, diplomas and Certificates to students who have successfully completed the prescribed programme of study in each case, in accordance with the requirements laid down by the Academic Council from time to time.

   (i) Ph.D.

   (ii) Master Degree in

   - (a) Computer Application
   - (b) Computer Science
   - (c) Business Administration
   - (d) Law
   - (e) Arts
   - (f) Technology
   - (g) Commerce

   (iii) Bachelor's Degree in Arts, Commerce, Science with the following subjects:

   - (a) Commerce
   - (b) Economics
   - (c) English
   - (d) Information Technology
   - (e) Electronics

   (iv) In addition to the Bachelor's Degree stated in (iii) above the following degrees may also be awarded

   - (a) Business Studies
   - (b) Computer Application
   - (c) Business Administration

(v) Advanced Diploma in
   (a) Computer Application

(vi) Post Graduate Diploma in
   (a) Computer Application
   (b) Business Administration

(vii) Diploma in
   (a) Computer Application
   (b) Cyber Laws
   (c) Intellectual Property Rights
   (d) Early Childhood Care and Education

(viii) Certificate in
   (a) Cyber Laws
   (b) Intellectual Property Rights
   (c) Competitive Skills

2. The University may add new degrees/diplomas/certificates to those mentioned in clause 1 or delete any of them with the approval of the Academic council from time to time. The University may also consider, as per the recommendation of the Governing Body, for national / international linkages with the Indian / Foreign Universities / Research Establishments / Academic Institutions to undertake research, consultancy, academic programme etc. of mutual interest. The Academic Council of the University may add/modify/delete and approve the duration, course structure and fees structure of the courses mentioned in clause 1 or any new courses added in the future.

ORDINANCE No. 7

ENROLLMENT OF STUDENTS AND THEIR ADMISSION TO COURSES OF STUDY

(Under Section 27 (1) (a) of the Act)

1. Any applicant, who shall have passed the Higher Secondary School Certificate Examination or an examination recognized by the University as equivalent in it, may be enrolled as a student of the University for the Undergraduate Courses. For Post Graduate Course, the applicant must have passed the Graduation from recognized / deemed University.

2. Application for enrollment as a student of the University shall be made to the Director Registration and Admission in the prescribed form accompanied by Course Registration and Tuition fees and other charges as approved by the Board on recommendation of the Academic Council from time to time. Such application shall be submitted through the Co-ordinator of Knowledge Access Node or Principal of the College / Institution to which the student has been admitted.

3. (i) No student shall be deemed to have been admitted to any course of study as student of the University unless enrollment number is issued to him/her.

   (ii) Except in a case in which a student does not hold the minimum qualifications prescribed for admission to the course of study concerned, the fee for enrollment paid by a student shall not be refunded under any circumstances.

4. The procedure for submission of applications (with and without late fees) for enrollment of students by Knowledge Access Node and colleges / Institution in their course of study, shall be as it is approved by the Board on recommendation of Academic Council.

5. The University will have the Credit Transfer Facility available for the Students who wish to take admission from other University / Institution. The Credit Transfer Facility will also be available to take admission under the lateral entry scheme of the University.

6. No person, who is under sentence or expulsion or rustication from another University or College or Institution, shall be admitted to any course of study during the period for which the sentence is in operation.

7. Any change, addition or modification in the record of the student shall be recorded in database maintained by the respective School or College under the supervision of the Director of the School or Principal of the College or Institution or Registrar and a certificate to that effect shall be issued to the applicant.

8. Under no circumstances shall any alteration be made in the University certificate, diploma degree and other document issued in favour of the applicant prior to the order for a change or correction in the name.

9. The Medium of Instruction will be as decided by the Academic Council from time to time. The fees once deposited with the application form by the applicant shall not be refunded.

ORDINANCE No. 8

APPOINTMENT ON CONTRACT BASIS OR EQUIVALENT

(Under Section 27 (1) (k) of the Act)

1. Full time/Part time: Appointment on contract may be made on full time or part time basis. However in case of full time appointment, a regular sanctioned post must exist and this should be kept vacant till the contract appointment continues. In case of part time appointment the condition of availability of regular sanctioned post may not be applicable.

2. Designation: The designation at senior level could be Visiting Professor/ Professor Emeritus / Visiting Faculty/Consultant / Advisor/ Adjunct Faculty / Director (such as Director (Curriculum Development)/ Director (Quality Assurance), etc., etc., At other levels it could be one of the usual designations of the University.

3. Appointing Authority: The appointing authority for all such contract appointments will be the Vice Chancellor. However, the appointment for full time teachers on contract should be reported to Board within a year of appointment. Further, if a full time appointment is equivalent to or higher than Lecturer/Assistant Registrar and if such an appointment is made for more than two years the appointment will require the approval of the Board.

4. Pay: The person appointed on contract shall be paid a consolidated salary which shall be fixed appropriately taking into consideration the status of the person so appointed, the emoluments drawn by him before this appointment, wherever applicable, etc. provided further the amount could be revised every two years. Further, the amount will not exceed the emoluments at the maximum of the scale of the post against which appointed. Also in case of a retired officer it will not be more than the emoluments last drawn before retirement.
5. In case of contract appointment on part time basis, the consolidated salary shall not exceed half the emoluments as per above guidelines.

6. Screening Committee: All such appointment will be recommended by a screening Committee comprising of the following:

   a. Vice Chancellor or his nominee - (Chairperson)
   b. The Director of the School of Studies concerned, wherever applicable or a Director nominated by the Vice Chancellor for general/combined posts.
   c. Registrar – (Convener)
   d. One subject / area expert
   e. Two members of sponsor.

This committee may transact business by actual meeting or by circulation. It may also be decided by the committee whether it is necessary to hold test and/or interviews in each case. The above committee can also recommend the emoluments in each case.

7. Total leave admissible of all kinds shall not exceed 30 days.

8. DA/CCA/HRA or any other relief is not admissible.

9. Travel Allowance/Telephone/Conveyance charges and other facilities may be allowed as per rules applicable to any serving officer of equivalent grade. Medical facility may be provided if he/she is not covered under any medical scheme from the previous employer.

10. Person appointed on contract basis can be assigned, in addition to the specific task for which appointed, any other duties by the Vice Chancellor.

11. The appointment can be discontinued with one month notice by either side without assigning any reason. Also, the appointee shall not have any claim whatsoever for regular appointment on any position on the basis of contract appointment.

12. No pensionary benefit on account of the said appointment shall be admissible.

ORDINANCE No. 9

CONDUCT OF EXAMINATION

(Under Section 27 (1) (e) of the Act)

1. Appointment of Paper Setters/Moderators/Examiners

The Directors of School shall draw up panels of paper-setter, moderators and examiners for each course and submit them to the Controller of Examination, who in consultation with shall appoint the paper-setters, moderators and examiners from such panels for a period of two years.

Provided that only those person who have at least 5 years of teaching/academic/industrial/professional experience shall be eligible for inclusion in the panel.

2. Moderation Board

(i) There shall be a Moderation Board constituted as under for one or more courses for a period of three years:

(a)	Director of School concerned	Chairman
(b)	Professor of the Discipline concerned. If there is no Professor, the senior most teacher in the discipline concerned.	Member

(c) Two experts in the discipline/specialization nominated by the Chancellor. — Members

(ii) Functions of the Moderation Board shall be:

(a) To ensure that question paper is strictly in accordance with the course contents and the instruction, if any.
(b) To remove ambiguity in the language of questions, if any.
(c) To moderate the questions so as to give ample opportunities to students of varying abilities.
(d) To ensure proper coverage of course contents and indicate weightage/marks for each question or part/parts thereof, time prescribed and to correct error, if any.

(iii) Member of the Moderation Board, other than the teacher of the University, shall be paid such remuneration as may be prescribed by the Board from time to time.

3. Conduct Procedure

(i) The term-end examinations shall ordinarily be conducted twice a year in each course for each programme on such dates in the month of June and December and at such places as may be notified by the University from time to time or on such dates, time and place as approved by the Vice-Chancellor. A student who has undergone the course of study for the required duration and who has submitted the required number of assignments and had appeared in all internal assessments, shall be eligible to appear at the term-end examination in the course concerned.

(ii) For the first attempt of the paper, the student may not require to fill in the Examination form. But for the re-appearing papers, the student shall fill the re-appearing form and forward the same to the Controller of Examination of the University, with the requisite fees as approved by the Board from time to time, within the limits of the time notified.

(iii) The University may allow a student to change the examination center provided he/she applies at least 15 days before the commencement of the examination on the prescribed form with requisite fee for the purpose.

(iv) The conduct of examination shall be in accordance with the regulations framed by the University for the purpose from time to time.

4. Rates of Remuneration

(i) The remuneration to be paid to paper setter, moderators, examiners and evaluators of students assignments, answer scripts, project etc. shall be as fixed by the Board from time to time.

(ii) The remuneration to be paid to various categories of persons appointed for the conduct of examinations shall be as prescribed by the Board from time to time.

ORDINANCE No. 10
EVALUATION OF STUDENTS PERFORMANCE

1. Evaluation of Student Performance
The successful completion of a course/programme of study for the award of degree/diploma/certificate will be determined on the basis of the performance of students enrolled in the relevant course/programme in the manner laid down in this Ordinance.

2. Method of Evaluation

Unless otherwise specified, the performance of a student enrolled in a course/programme will be assessed:

(i) Continuously on the basis of the evaluation of the assignments submitted by the student, internal assessment, seminars, presentations, group discussions etc.
(ii) On the basis of an examination conducted at the expiry of the minimum duration prescribed for the concerned course/programme;
(iii) The University may also prescribed for course/programmes, wherever appropriate, execution of specific project by students, the successful completion of which, and the levels of performance in their execution shall be taken into account in the overall assessment of student performance; and
(iv) In appropriate cases, the University may also prescribe field work, research, seminars, practical, or any other techniques/methods for assessment to determine the levels of performance of students pursuing different course/programmes.

3. Assignments, Internal Assessment, Seminar, Presentation, Group Discussion, Portfolio

(i) The methods of evaluation for each course/programme involving the combination of two ore more components mentioned in Clause 2 above, including the relative weightage to be assigned to each of those components, shall be prescribed by the Academic Council on the recommendation of the Board of concerned School of Studies.

(ii) A student pursuing a programme of study shall be required to submit one assignment as being prescribed by the University for each paper in each semester, in along with other modes of internal assessment, seminars, presentation, group discussion, Portfolio Submission etc.

(iii) The instructions to students about the nature and type of assignments, Internal Assessment, Seminar, Presentation, Group Discussion etc. and the schedule for their submission shall be prescribed in the relevant programme guide and/or in the course itself. The same information can also be made available through website.

4. Term end examination

(i) The term end examinations for various courses/programmes will ordinarily be held in the months of June and December every year or the dates as approved by the Vice-Chancellor. Student will be free to appear at any of these examinations either for specific courses or for whole programmes provided that the minimum period of study prescribed for the relevant course/programme has elapsed.

(ii) However, the students, who take admission to some individual course in January/July Semester as per terms of any MOU executed by University with any other University or accredited institution, will be allowed to appear in term-end examination of June/December respectively of the same year so as to enable them to complete the pre-requisite course for their degrees/diplomas from the respective University/accredited institutions.

5. Grading

The University will follow a seven point grading system. However, in order to facilitate movement in other system, marks will also be indicated for the reference purposes.

ORDINANCE No. 11

AWARD OF FELLOWSHIP AND SCHLOARSHIP

1. (a) Every year in the month of July the University shall invite applications through an advertisement in the news papers for the awards to be made.

   (b) All awards of Fellowships, Research Scholarships and other Scholarships shall be made on the recommendation of a Committee consisting of :-
   (i) The Vice-Chancellor — Chairman
   (ii) Directors of Schools
   (iii) The Registrar — Member-Secretary
   (iv) The Chief Finance and Accounts Officer
   (v) Two Subject Experts nominated by the Chancellor
   (vi) Two nominees of the Sponsor

2. Subject to the general conditions applicable to all Fellowships and Research Scholarships as laid down in paragraph 4 below, the value, duration and conditions of award of Fellowships shall be such as are laid down by the Academic Council of the University.

3. The value and duration of Research Scholarships instituted by the University shall be laid down by the Board in consultation with the Academic Council.

4. The award of fellowships and research scholarships shall be made subject to the following conditions:

   (i) The fellow/scholar will do whole-time research work under an approved guide on a subject approved by the University.

   (ii) The fellow/scholar shall not accept or hold any appointment paid or otherwise or receive any emolument, salary stipend etc. from any other source during the tenure of the award nor shall be engage himself/herself in any profession or trade during that period. He/she may, however, undertake teaching assignment of not more than nine hours a week in the institution where he/she is working without accepting any remuneration.

   (iii) The fellow/scholar shall not join any other course of study or appear in any examination after commencing work under the fellowship/scholarship.

   Provided that the Vice-Chancellor may, on the recommendation of the guide, permit the Fellow/Scholar to join a Language diploma course and appear in an examination therefor.

   (iv) Unless permitted by the academic council to work for a specified period at some other place, the fellow/scholar shall be required to attend the institution where he/she is to work, on all working days.

   (v) If any information submitted by the fellow/scholar in his/her application is found to be incorrect, incomplete or misleading, the award may be terminated by the Academic Council after giving him/her an opportunity of being heard. If at any time it should appear to the University that the progress or conduct of the fellow/scholar has not been satisfactory, the fellowship/scholarship may be suspended or withdrawn.

   (vi) (a) Leave for a maximum of 30 days in a year in addition to general holidays may be taken by a fellow/scholar with the approval of the guide and the University. No other leave with fellowship/scholarship shall be admissible.

(b) The fellow/scholar may, in special case, be allowed by the University leave without fellowship/scholarship for a period not exceeding two months during the tenure of the award on the recommendation of the guide and approval of the Academic Council.

(vii) The fellow/scholar shall be required to pay the fees prescribed by the institution where he/she works.

5. Post-graduate scholarship instituted by the University shall ordinarily be tenable for two academic sessions i.e. twelve months in the first year and 10 months in the second year on condition that the scholarship holder produces a certificate of efficiency in studies from the Head of the Department in the subject of study or the Principal of the College / Institution.

6. If two or more candidates are eligible for the award of the last scholarship, the scholarship shall be divided equally between the candidates concerned.

7. The scholarship shall be tenable from the 1st of July if the scholarship-holder joins the within 10 days of the date of the opening of the college after the summer vacation and pays the tuition fee from the commencement of the session. In any other case, it shall be tenable from the date on which the candidate joins the college.

8. The payment of scholarships shall be made only on receipt of scholar's receipted bills duly countersigned by the Head of the Institution where he/she studies. No scholarship shall be drawn for a month unless the scholarship holder has attended the institution regularly in that month.

9. The drawl of scholarship shall be done in accordance with the procedure as made by the Academic Council of the University from time to time.

10. A scholarship-holder shall not combine any other course of study with the course for which the award is made.

11. A scholarship shall be cancelled in the Final Year if the scholarship-holder fails to secure at least 60% marks in the Previous Examination of the concerned Master's degree of Arts, Science, Life Science, Social Science and Commerce and 70% in other Faculties.

12. If a scholarship-holder is unable to appear at the previous examination on account of sickness or any other reasonable cause, the scholarship for the months of March and April shall be paid only if the Head of the institution certifies that the scholar diligently studied for the examination, but was unable to take the examination for reasons beyond control. Such a scholar shall not receive scholarship during the next session, but shall be entitled to the scholarship during the studies for the Final Examination, if the scholar passes the Previous Examination with the requisite standard in the succeeding year in the first attempt.

13. A scholarship-holder shall at all times be of good behavior and observe all rules of discipline.

14. (1) A scholarship shall be liable to termination, if:

(i) the scholarship-holder discontinues studies during the middle of a session;

or

(ii) the scholarship-holder, after he/she has been given a reasonable opportunity to explain his/her conduct, is in the opinion of the Academic Council guilty of a breach of para 13 of this Ordinance; and if the Academic

Council so directs, the Scholarship-holder shall also be liable to refund the amount of scholarship drawn by him/her.

(2) The order of termination passed by the Academic Council shall be final.

ORDINANCE No. 12
DISCIPLINE AMONG STUDENTS IN RELATION TO UNIVERSITY EXAMINATION

(Under Section 21 (1)(h) of the Act)

1. Disciplinary control of an Examination Centre

(i) During an examination the students shall be under the disciplinary control of the Superintendent of the centre who shall issue the necessary instructions. If a student disobeys instructions or misbehaves with any member of the supervisory staff or with any of the invigilators at the centre, he may be expelled from the examination for that session.

(ii) The Superintendent shall immediately report the facts of such a case with full details of evidence to the Controller of Examination who will refer the matter to the Examination Discipline Committee. The committee will make recommendations for disciplinary action as it may deem fit to the Vice-Chancellor.

(iii) Use of Unfair means

A Student shall not use any unfair means in connection with any examination.

(iv) The following shall be deemed to be unfair means:

(a) Talking to another student or any person, inside or outside the examination hall, during the examination hours without the permission of a member of the supervisory staff.

(b) Leaving the examination hall without delivering the answer book and or continuation sheet, if any, to the Superintendent or Supervisor concerned, and taking away, tearing off or otherwise disposing off the same or any part thereof.

(c) Writing on blotting paper or any other piece of paper, a question or matter connected with or relating to a question or solving a question on anything excepting the answer book or the continuation sheet supplied to the student.

(d) Using abusive or obscene language in the answer book.

(e) Deliberately disclosing one's identity or making any distinctive marks in the answer book for that purpose.

(f) Making an appeal to the Examiner through the answer book.

(g) Possession by a student or having access to books, notes, paper or any other material, whether written, inscribed engraved, or any other device, which could be of help or assistance to him in answering any part of the question paper.

(h) Concealing, destroying, disfiguring, rendering illegible, swallowing, running away with, causing disappearance of or attempting to do any of these things in respect of any books, notes, paper or other material or device, used or attempted to be used for assistance or help in answering a question or a part thereof.

(i) Passing on or attempting to pass on, during the examination hours, a copy of a question, or a part thereof, or solution to a question paper or a part thereof, to any other student or to any person.

(j) Smuggling into the examination hall an answer book or a continuation sheet, or taking out or arranging to send an answer book or continuation sheet, or replacing or attempting to get replace the answer book or continuation sheet during or after the examination with or without the help in connivance with any person connected with the examinations, or thought any other agency, whatsoever.

(k) Receiving or attempting to receive, with or without the help or in connivance with any member of the supervisory or other staff or any person, a solution to a question or to a part thereof.

(l) Approaching or influencing directly or indirectly a paper setter, examiner, evaluator, moderator, tabulator or any other person connected with the University examination with the object, directly or indirectly , or influencing him to leak out the question paper or nay part thereof, or to enhance marks, or favorably evaluate, or to change the award in favour of the student.

(m) Any attempt by a student or by any person on his behalf to influence, or interfere with, directly or indirectly, the discharge of the duties of a member of the supervisory or inspecting staff of an examination centre before, during or after the examination.

Provided that without prejudice to the generality of the Provision of the clause any such person as is referred to therein who:

a. Abuses, insults, intimidates, assaults any members of the supervisory or inspecting staff, or threatens to do so:
b. Abuses, insults, intimidates, assaults any other student or threatens to do so: shall be deemed to have interfered with or influenced the discharge of the duties of he Supervisory and the inspecting staff within the meaning of the clause.

(n) Coping, attempting to copy, taking assistance or help from any book, notes, paper or any other material or device or from any other student, to do any of these thing or facilitating of rendering any assistance to nay other student to do any of these things.

(o) Presenting a Thesis, Dissertation, Practical or Class-work note-book wherever required, not prepared or produced by the student himself.

(p) Arranging to impersonate for any person, whosoever he may be, or impersonating for the student at the examination.

(q) Forge a document or using a forge document knowing it to be forged in any matter relating to the examination.

(r) The Board may declare any other act of omission or commission to be unfair means in respect of any or all the examination.

(v) If the Controller of Examination and Vice-Chancellor is satisfied that there has been a mass-scale copying or use of unfair means, on a mass-scale at a particular centre(s), he may cancel the examination of all the students concerned and order re-examination.

Note: Where the invigilator in-charge is satisfied that $33^{1}/_{3}\%$ or more students were involved in suing unfair means or copying in a particular Examination/Hall, it shall be deemed to be a case of mass coping.

(vi) (a) The Superintendent of the examination center shall report the Controller of Examination without delay and on the day of the occurrence, if possible, each case where use of unfair means in the examination is suspected or discovered with full details of the evidence in support thereof and the statement of the students concerned, if any, on the forms supplied by the Controller of Examination for the purpose.

(b) The Student shall not be forced to give a statement but the fact of his having refused to make a statement shall be recorded by the Superintendent and shall be got attested by two other members of the supervisory staff, on duty, at the time of occurrence of the incident.

(c) The student detected or suspected of using unfair means in the examination may be permitted to answer the question paper, but on separate answer book. The answer book in which the use of unfair means is suspected shall be seized by the Superintendent, who shall send both the answer books to the Controller of Examination with his report. This will not affect concerned student appearing in the rest of the examination.

(d) All cases of use of unfair means specified in sub-clauses (d), (e), (l), (n), (o), and (q) of clause (iv) of clause 1 shall be reported immediately to the Controller of Examination by the examiner, paper-setter, evaluator, moderator, tabulator or the person connected with the University examination as the case may be, with all the relevant material.

2. Examination Discipline Committee

(a) All the cases of alleged use of unfair means shall be referred to a Committee called the Examination Discipline Committee to be appointed by the Vice-Chancellor.

(b) The Committee shall consist of at least three but not more than five members drawn from amongst the teachers and officers of the University.

(c) A member shall be appointed for a term of two years, and shall be eligible for re-appointment.

(d) Three members present shall constitute the quorum.

(e) Ordinarily, all decisions shall be taken by the Committee by simple majority. If the members are equally divided the case shall be referred to the Vice-Chancellor, whose decision shall be final.

(f) All decisions taken by the Examination Discipline Committee will be placed before the Vice-Chancellor for approval.

(g) A student may, within one month of the receipt of the decision of the University may appeal to the Vice-Chancellor. He if satisfied that the representation merits consideration, he may refer the case back to the Examination Discipline Committee for reconsideration.

3. The Examination Discipline Committee may recommend that:

I. The Examination for the session or paper in respect of which a student is found to have used unfair means specified in sub-clauses (a) and (b) of clause (iv) of clause 1 be cancelled.

II. The Examination for the session or paper or the entire examination of a student in respect of which he is found to have used unfair means specified in sub-clauses (c), (d), (e) and (f) of clause (iv) of clause 1 be cancelled.

III. The entire examination of a student in respect of which he is found to have used unfair means specified in sub-clause (g) of clause (iv) of clause 1 be cancelled and the student shall further be disqualified form appearing at any University examination for a period of one year.

IV. The entire examination of a student in respect of which he is found to have used unfair means specified in sub-clause (g) of clause (iv) of clause 1 be cancelled and the student shall further be disqualified from appearing at any University examination for a period of three years.

V. The entire examination of a student in respect of which he is found to have used unfair means specified in sub-clauses (p) and (q) of clause (iv) of clause 1 be cancelled and the student shall further be disqualified from appearing at any University examination for a period of three years.

ORDINANCE No. 13

ADMISSION, RESERVATION, ELIGIBILITY, DURATION, STRUCTURE OF VARIOUS DEGREES, DIPLOMAS AND CERTIFICATE PROGRAMME AND COURSES

(Under Section 25 (1) (i) and Section 27 (1) (a) of the Act)

1. Admission

(i) Admission to academic programmes/courses offered by the University shall be open to all who fulfill the conditions of eligibility prescribed for each such programme/course.

(ii) The conditions of eligibility with respect to prior educational qualifications, age and such other requirements shall be prescribed by the Academic Council for each academic programme or course and the University shall make admission to these programmes/courses subject to fulfillment of these requirement.

(iii) It shall be open to the University to conduct such entrance tests as it may prescribe from time to time for admission to specific academic programmes/course.

(iv) The University may make reservation provision for the admission of candidates belonging to the Schedule Caste or Schedule Tribes or OBC or Other Backward Class or physically handicapped or Widows or Wards of Martyrs or Serving or Retired personnel of Defence / Paramilitary Forces or such other disadvantages groups on the recommendations of the Academic Council form time to time. Also, concession in tuition fees may also be provided for such candidates.

2. Duration of programmes and courses

(i) The minimum and maximum duration for the academic programmes offered by the University leading to the award to degrees, diploma and certificates shall be prescribed for each such programme on the recommendations of the Academic Council. The Academic Council may also prescribe such other conditions as the student has to fulfill to become eligible for the award of degrees, diploma and certificate.

(ii) The minimum and maximum duration for the courses offered by the University shall be prescribed by the Academic Council.

3. Structure and pattern of programmes

The University may, on the recommendations of the Academic Council, prescribe the structure and pattern of the programmes offered by it leading to the award of degree, diploma and certificate. Provided that the University shall endeavor to organize all its programmes on the basis of modular structure, flexibility in the combination of course as well as methods and pace of learning, course wise registration for various programmes, etc.

ORDINANCE No. 14

MAINTENANCE AND ENFORCEMENT OF DISCIPLINE AMONG STUDENTS

(Under Section 27(1) (h) of the Act)

1. Powers to vest in the Vice-Chancellor / Head of the affiliated colleges and institutions

   (i) All powers relating to maintenance and enforcement of discipline among and disciplinary action against the students of the University shall vest in the Vice-Chancellor.

   (ii) The Vice-Chancellor may delegate all or any such of his powers, as he deems proper, to such other officers and authorities of the university as he may specify in this behalf.

   (iii) The Principals/ Directors of affiliated colleges and institutions shall have the authority to exercise all such disciplinary powers over the students in their respective colleges and institutions.

2. Acts of Indiscipline and Misconduct

   (i) Without prejudice to the generality of the power to maintain and enforce discipline under this ordinance, the following shall amount to acts of indiscipline or misconduct on the part of a student of the University and affiliated colleges and institutions:

   a. physical assault, or threat to use physical force, against any member of the teaching or non-teaching staff of the University or an affiliated college or

institution or against any student of the University, an affiliated college or institution;

b. remaining absent from the class, test or examination or any other curricular or co-curricular activity which he is expected to participate in;
c. carrying of, use of or threat to use, any weapon;
d. misbehaviour or cruelty towards any other student, teacher or any other employee of the University, a college or institution;
e. use of drugs or other intoxicants except those prescribed by a qualified doctor;
f. any violation of the provisions of the Civil Rights Protection Act, 1976;
g. indulging in or encouraging violence or any conduct which involves moral turpitude;
h. any form of gambling;
i. violation of the status, dignity and honour of a student belonging to a scheduled caste or a scheduled tribe;
j. discrimination against any student or a member of staff on grounds of caste, creed, language, place of origin, social and cultural background or any of them;
k. practising casteism and untouchability in any form or inciting any other person to do so;
l. any act, whether verbal or otherwise, derogatory to women;
m. drinking or smoking;
n. any attempt at bribing or corruption of any manner or description;
o. wilful destruction of the property of the University or an affiliated college or institution;
p. behaving in a rowdy, intemperate or disorderly manner in the premises of the University or the college or the institution, as the case may be, or encouraging or inciting any other person to do so;
q. creating discord, ill-will or intolerance among the students on sectarian or communal grounds or inciting any other student to do so;
r. causing disruption of any manner or description of the academic functioning of the University system;
s. indulging in or encouraging any form of disruptive activity connected with tests, examinations or any other activity of the University or the college or the institution, as the case may be;
t. Truancy and unpunctuality;
u. Ragging as defined in this ordinance.

(ii) The Vice-Chancellor may amend or add to the list of malpractices under clause (i).

3. Penalties for breach of discipline

Without prejudice to the generality of his powers relating to the maintenance of discipline and taking such action in the interest of maintaining discipline as deemed appropriate by him:

(i) The Vice-Chancellor, Directors/ Principals of affiliated colleges or institutions as the case may be, may in the exercise of his powers aforesaid, order or direct that any student:

a. be expelled from the University, college or institution, as the case may be, in which case he shall not be re-admitted to the University, college or institution from where he is expelled but it shall not preclude his admission to any other affiliated college or institution with the previous approval of the Vice-Chancellor; or

b. be, for a stated period, rusticated in which case he shall not be admitted to the University or an affiliated college or institution, till the expiry of the period of rustication; or

c. be not, for a stated period, admitted to a course or courses of study of the University; or

d. be imposed with the fine of a specified amount of money;

e. be debarred form taking a University examination or examinations for one or more years.

(ii) The Vice-Chancellor, in exercise of his powers aforesaid or on the recommendations of the Directors/ Principals of the affiliated colleges or institutions, may also order or direct that the result of the student concerned of the examination or examinations at which he has appeared, be cancelled.

4. Declaration to be signed by a student

At the time of admission, every student shall be required to sign a declaration on oath that he shall submit to the disciplinary jurisdiction of the Vice-Chancellor and authorities of the University or of the Director or the Principal, as the case may be, of the college or institution, as the case may be.

5. Total prohibition of ragging and penalties therefor:

(i) Ragging in any form shall be strictly prohibited within the premises of the University, a college or an institution, as the case may be, or in any part of the University system as well as on public transport, or at any other place, public or private.

(ii) Any individual or collective act or practice of ragging shall constitute an act of gross indiscipline and shall be dealt with under the provisions of this ordinance.

(iii) Ragging, for the purposes of this ordinance, shall ordinarily mean any act, conduct or practice by which the dominant power or status of senior students is brought to bear upon the students who are in any way considered junior or inferior by the former and includes individual or collective acts or practices which:

a. Involve physical assault or threat to use physical force;

b. Violate the status, dignity and honour of students, in particular women students and those belonging to a scheduled caste or a scheduled tribe;

c. Expose students to ridicule or contempt or commit an act which may lower their self esteem; and

d. Entail verbal abuse, mental or physical torture, aggression, corporal punishment, harassment, trauma, indecent gesture and obscene behaviour.

(iv) The Director of the school, Director of the institution or the Principal of the college, as the case may be, shall take immediate action on the receipt of any information that ragging has taken place or is likely to take place.

(v) Notwithstanding anything contained in clause (4), the chairman of the Board of Discipline of a University teaching department or the convenor of the Board of Discipline of an affiliated college or institution may also *suo motu* inquire into any

incident of ragging or likelihood of such incident and make a report to the Vice-Chancellor clearly pinpointing, among other details, the identity of the student or the students who were involved in the incident and the nature of the incident.

(v) The chairman or the convenor of the Board of Discipline, as the case may be, may also submit an interim report to the Vice-Chancellor establishing the identity of the perpetrators of ragging and the nature of the incident.

(vi) The chairman of a Board of Discipline is satisfied that for any reason, to be recorded in writing, it is not feasible to hold an inquiry referred to in clauses (4) and (5), he may so advise the Vice-Chancellor accordingly.

(vii) Where the Vice-Chancellor is satisfied, on receipt of a recommendation to this effect or otherwise, that it is not expedient to hold an inquiry into an incident of ragging, he shall order accordingly for reasons to be recorded in writing.

6. Constitution of the Boards of Discipline

(i) The Boards of Discipline at the level of the University teaching departments and affiliated colleges and institutions shall be constituted by the Vice-Chancellor as follows :-

(a) <u>University Teaching Departments</u> :

(i) A Professor of the University to be nominated by Vice-Chancellor by rotation, convenor

(ii) Two senior teachers of the University to be nominated by the Vice-Chancellor, members

(iii) One senior lady teacher of the University to be nominated by the Vice-Chancellor, member

(iv) Director/ Director of the concerned School / schools to which the act of indiscipline or misconduct by a student or students pertains to.

(b) <u>Affiliated Colleges or institutions</u> :

(i) The Director of the institution or the Principal of the college concerned , chairman

(ii) Two senior teachers of the institution or the college to be nominated by the trust or the society running the college or the institution, member

(iii) One senior lady teacher of the college or the institution to be nominated by the trust or the society running the college or the institution, member ,

(iv) A senior teacher of the institution or the college of the programme to which the act of indiscipline or misconduct by a student or students pertains to.

(ii) The nominated members shall hold office for a period of two years and a vacancy occurring in the Board of Discipline shall be filled for the remaining period of the term of the member whose departure has caused the vacancy.

(iii) Three members of the Board of Discipline including the chairman, shall form the quorum.

(iv) In the absence of the chairman, the senior most member of the Board of Discipline shall act as the chairman.

7. Functions of the Board of Discipline

(i) The Board of Discipline shall perform the following functions :-

a. To consider matters concerning maintenance of discipline among the students in the University teaching department or the college or the institution, as the case may be;

b. To enquire into the acts of indiscipline or misconduct committed by a student or students whenever such cases are referred to the Board of Discipline by the Director of the concerned school or the Principal of a college or Director of an institution and to submit their findings, conclusions and recommendations for the quantum of punishment under the provision of this ordinance to the Vice-Chancellor or the person authorised by the Vice-Chancellor in this behalf/ Director of the institution/ Principal of the college, as the case may be;

c. To supervise and monitor the disciplinary climate prevailing in the University or the college or the institution, as the case may be.

d. To take preventive and precautionary steps such as issue of notices, warnings, instructions etc. as the case may be, for the purpose of forestalling acts of individual or collective indiscipline, misconduct and ragging, etc.

e. To maintain liaison with the police authorities and the concerned departments of the Government, neighbouring institutions and the concerned authorities of the University regarding maintenance of law and order in the University or the college or the institution, as the case may be.

f. To perform such other functions as may be assigned to it by the Vice-Chancellor / Director of the institution/ Principal of the college from time to time.

(ii) The decision in each case shall be conveyed by the chairman/ Convenor of the Board of Discipline concerned communicating the penalty or penalties, if any, imposed on a student or students.

(iii) A student or students who are aggrieved with the penalty imposed upon them may appeal to the Vice-Chancellor whose decision in this regard shall be final and binding on the parties.

ORDINANCE No. 15

INFORMATION TECHNOLOGY PROGRAMMES

(Under Section 27(1) (b) of the Act)

1. Bachelor in Computer Application (BCA)

(i) Introduction

The BCA program has been designed in order to meet the requirements of the computer professionals in various streams which mainly deals with the following areas of applications:

- Service Sector for maintenance and installation of Computer System
- Hardware and System Integration
- Software Development and Quality Assurance

In order to develop the inherent capabilities of the students, the BCA program has been designed with latest technologies & trends with flexibility to absorb the new technologies, which would emerge during the course so that the students are equipped with latest methodologies to face the challenges offered by the industry.

(ii) Admission Qualification

A Candidate seeking admission in BCA program should have passed 10+2 or equivalent from a recognized board or 3 Yrs. Polytechnic diploma after Class 10th.

Lateral Entry Scheme of Admission

(a) Lateral Entry to Second year of BCA

Required Qualification

I. Successful completion of 10+2 from recognized board and One Year Computer Course from a recognized institution

or

II. Successful completion of 10+2 from recognized board and One and a half years IT Experience after 10+2

(b) Lateral Entry to Third year of BCA

Required Qualification

Successful completion of 10+2 from recognized board and Three Years of Polytechnic Diploma after 10+2 from recognized institution of technical board in IT / Computer Science.

(iii) Course Duration

The course duration for BCA will be 3 Years comprising of 6 semesters but the student will have to complete the programme within 6 Years from session of enrollment.

(iv) Programme Structure

The programme structure for the BCA programme will be such as decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current needs of the academic and industry.

(v) Award of Degree / Diploma

(I) Diploma in Computer Application (DCA) will be awarded after successful completion of First Year.

(II) Bachelor in Computer Application (BCA) will be awarded after successful completion of Third Year.

2. Master in Computer Application (MCA)

(i) Introduction

The MCA program has been designed in order to meet the requirements of the computer professionals in the various streams which mainly deals with the following areas of applications:

- Service Sector for maintenance and installation of Computer System
- Hardware and System Integration
- Software Development and Quality Assurance
- Research and Development
- Marketing and Commercial Processes

In order to develop the inherent capabilities of the student, the MCA program has been designed with latest technologies & trends with flexibility to absorb the new technologies, which would emerge during the course so that the student is equipped with the latest methodologies to face the challenges offered by the industry. The core objective of the program is to equip students with the experience of finding the solutions for the real world problems and applications through practical experience, assignments, technical training, apprenticeship and projects.

MCA program will be offered under the following two streams in semester system of studies:

(a) Integrated MCA after 10+2 (5 years / 10 Semesters)
(b) MCA after Graduation (3 years / 6 Semesters)

(ii) Admission Qualification

Integrated MCA

A Candidate seeking admission in Integrated MCA program should have passed 10+2 examination or its equivalent in any discipline from a recognized board. A Candidate who have successfully completed 3 years of Polytechnic Diploma from recognized institution of technical board after 10th Class can also enroll in 1st Semester of Integrated MCA.

MCA after Graduation

A Candidate seeking admission in MCA after graduation program should have passed three years Bachelor degree or its equivalent in any discipline from a recognized university.

Lateral Entry Scheme of Admission

(a) Lateral Entry to Second year of Integrated MCA

Required Qualification

I. Successful completion of 10+2 from recognized board and One Year Computer Course from recognized institution

or

II. Successful completion of 10+2 from recognized board and One and a half years IT Experience after 10+2

(b) Lateral Entry to Third year of Integrated MCA

Required Qualification

I. Successful completion of 10+2 from recognized board and Three Years of Polytechnic Diploma after 10+2 from recognized institution of technical board in IT / Computer Science.

(c) Lateral Entry to Fourth Year of Integrated MCA / Second Year of MCA After Graduation

Required Qualification

I. Successful completion of Three Years Bachelor Degree in Computer Science / Computer Application / Information Technology / Information Sciences from a recognized university.

or

II. Successful completion of Three Years Bachelor Degree in any stream from recognized university and PGDCA/ PGDIT/ ADIT or its equivalent from a recognized university / 'A' Level Diploma from DOEACC.

or

III. Successful completion of Four Years BE/ B.Tech./AMIE in Computer Engineering

or

IV. Successful completion of Three Years Bachelor Degree in any stream from recognized university and two years of computer course from a recognized institution after graduation. Such student will be evaluated through the panel of the university appointed officials on case to case basis.

(d) Lateral Entry to Fifth Year of Integrated MCA / Final Year of MCA After Graduation

Required Qualification

Successful completion of MCM/M.Sc./MIT in Computer Application / Information Technology / Information Science/Computer Science from recognized university.

The University may change the admission qualification for the admission in BCA or MCA as per the approval of the Academic Council from time to time.

(iii) Course Duration

The course duration for Integrated MCA will be 5 Years comprising of 10 semesters but the student will have to complete the programme within 10 Years from session of enrollment. The course duration of MCA After Graduation will be 3 Years comprising of 6 semesters but the student will have to complete the programme within 6 Years from session of enrollment.

(iv) Programme Structure

The programme structure for the MCA programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry.

(v) Award of Degree / Diploma

I. Post Graduate Diploma in Computer Application (PGDCA) will be awarded after successful completion of First Year of MCA After Graduation.

II. Advanced Diploma in Computer Application (ADCA) will be awarded after successful completion of Fourth Year of Integrated MCA.

III. M.Sc.(Comp. Sc.) will be awarded after successful completion of second year of MCA after graduation.

IV. The student will be awarded MCA after successful completion of Fifth Year of Integrated MCA / Third Year of MCA After Graduation.

(vi) Specialization streams for MCA

- Network Technologies
- Information Integration
- Database Technology
- Bio Informatics
- Software Engineering
- Any other Stream as approved by the Academic Council from time to time.

(vii) The University may also award MCA degree for DOEACC 'B' Level successfully completed Students as per the guidelines and procedure approved by the Academic Council from time to time.

ORDINANCE No. 16
MANAGEMENT PROGRAMMES
(Under Section 27(1) (b) of the Act)

1. Bachelor in Business Administration (BBA)

(i) Introduction

Keeping in mind the upcoming requirements of trained and skilled management manpower in the various sectors of management, the BBA program has been designed in order to meet the industry requirements. The studies of the BBA program will be imparted through participative and interactive learning methodologies.

This program has been designed to equip the students themselves with knowledge, abilities and management skills, latest communication skills and legal issues required at various departments of organization both at national and international levels. Besides understanding the core aspects of the management functions, the students will also be made conversant with the socio-economic, legal and political environments.

(ii) Admission Qualification

A Candidate seeking admission in BBA program should have passed 10+2 examination or its equivalent in any discipline from a recognized board. A Candidate successfully completed 3 years of Polytechnic Diploma from recognized institution of technical board after 10th Class can also enroll in 1st Semester of BBA.

Lateral Entry Scheme of Admission

(a) Lateral Entry to Second year

Required Qualification

One year management course from recognized university or from AICTE approved Institution

(b) Lateral Entry to Third year

Required Qualification

Two year management course from recognized university or from AICTE approved Institution

(iii) Programme Structure

The programme structure for the BBA programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry.

(iv) Course Duration

The course duration for BBA will be 3 Years comprising of 6 semesters but the student will have to complete the programme within 6 Years from session of enrollment.

(v) Award of Degree / Diploma

(I) Diploma in Business Administration (DBA) will be awarded after successful completion of First Year.

(II) Bachelor in Business Administration (BBA) will be awarded after successful completion of all courses of study of BBA.

2. Bachelor in Business Studies (BBS)

(i) Admission Qualification

A Candidate seeking admission in BBS program should have passed 10+2 examination or its equivalent in any discipline from a recognized board. A Candidate successfully completed 3 years of Polytechnic Diploma from recognized institution of technical board after 10th Class can also enroll in 1st Semester of BBS.

(ii) Programme Structure

The programme structure for the BBS programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry.

(iii) Course Duration

The course duration for BBS will be 3 Years comprising of 6 semesters but the student will have to complete the programme within 6 Years from session of enrollment.

(iv) Award of Degree

Bachelor in Business Studies (BBS) will be awarded after successful completion of all courses of study of BBS.

3. Master in Business Administration (MBA)

(i) Introduction

There is always the great demand of manpower trained in management within the country and outside. Though India is a big platform for training and providing considerable number of management professionals to Government, Public and Private Organization, still there is wide gap between the demand and supply.

Keeping in mind the upcoming requirements in the various sectors of management, the MBA program has been designed in order to meet the present industry requirements. The studies of the MBA program will be imparted through participative and interactive learning methodologies. The MBA program shall have the suitable representations from the following clusters of the management:

- General Management its values and ethics
- Personnel Management / Human Resource Management / Industrial Relations
- Organization Theory and Practices
- Communication
- Financial Management
- Quantitative Methods / Operation Research Methods / Operation Management / Strategic Technology Management
- Material Management
- Computer Applications
- Manufacturing Management / Customer Relationship Management /
- Marketing Management
- Business Legal and Economic Policies and Strategies

The MBA program has been designed to equip the students themselves with knowledge, abilities and skill to perform their roles as versatile global managers and to handle all round situations / problems which occurs in organization and the appropriate strategy required for it. Besides understanding the core aspects of the management functions, the students will also be made conversant with the socio-economic, legal and political environments and its impact thereof onto the entire systems of the organization and its human resources.

The students will be equipped with the experience of finding the solutions for the real world problems and applications through sufficient hands on experience, assignments, technical training, apprenticeship and projects.

MBA program will be offered under the following two streams in semester system of studies:

(a) Integrated MBA after 10+2 (5 years / 10 Semesters)
(b) MBA after Graduation (3 years / 6 Semesters)

(ii) Admission Qualification

Integrated MBA

A Candidate seeking admission in Integrated MBA program should have passed 10+2 examination or its equivalent in any discipline from a recognized board. A Candidate successfully completed 3 years of Polytechnic Diploma from recognized institution of technical board after 10th Class can also enroll in 1st Semester of Integrated MBA.

MBA after Graduation

A Candidate seeking admission in MBA after graduation program should have passed three years Bachelor degree or its equivalent in any discipline from a recognized university. A candidate having valid CAT / MAT / OPENMAT etc. score will also be eligible for MBA program.

Lateral Entry Scheme of Admission

(a) Lateral Entry to Second year of Integrated MBA

Required Qualification

One year management course from recognized university or from AICTE approved Institute after 10+2. Such admissions will be in accordance to credit transfer policy of the university after due approval from university authorities on case to case basis.

(b) Lateral Entry to Third year

Required Qualification

Two year management course from recognized university or from AICTE approved Institute after 10+2. Such admissions will be in accordance to credit transfer policy of the university after due approval from university authorities on case to case basis.

(c) Lateral Entry to Fifth Year of Integrated MBA / Second Year of MBA After Graduation

Required Qualification

One year management course from recognized university or from AICTE approved Institute after graduation. Such admissions will be in accordance to credit transfer policy of the university after due approval from university authorities on case to case basis.

(iii) Course Duration

The course duration for Integrated MBA will be 5 Years comprising of 10 semesters but the student will have to complete the programme within 10 Years from session of enrollment. The course duration of MBA After Graduation will be 2 Years comprising of 4 semesters but the student will have to complete the programme within 4 Years from session of enrollment.

(iv) Programme Structure

The programme structure for the MBA programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry.

(v) Award of Degree / Diploma

I. Post Graduate Diploma in Business Administration (PGDBA) will be awarded after successful completion of First Year of MBA after Graduation or successful completion of fourth Year of Integrated MBA.

II. The student will be awarded MBA after successful completion of Fifth Year of Integrated MCA / Second Year of MCA after Graduation.

(vi) Specialization streams for MBA

- IT Enabled Services
- Bio-Technology
- Information Systems
- Telecommunication
- International Business
- Human Resource Management
- Finance
- Logistics
- Marketing
- Any other Stream as approved by the Academic Council from time to time.

ORDINANCE No. 17
LAW PROGRAMMES
(Under Section 27(1) (b) of the Act)

1. Certificate in Intellectual Property Right – (Certificate in IPR)

(i) Admission Qualification

A Candidate seeking admission in Certificate in IPR program should have passed atleast 10+2 examination or its equivalent in any discipline from a recognized board.

(ii) Programme Structure and Fees Structure

The programme structure and Fees Structure for the Certificate in IPR programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry.

(iii) Course Duration

The course duration for Certificate in IPR will be 6 months but the student will have to complete the programme within 1 Year from session of enrollment.

(iv) Award of Certificate

Certificate in IPR will be awarded after successful completion of all courses of study.

2. Diploma in Intellectual Property Right – (Diploma in IPR)

(i) Admission Qualification

A Candidate seeking admission in Diploma in IPR program should have passed atleast 10+2 examination or its equivalent in any discipline from a recognized board.

(ii) Programme Structure and Fees Structure

The programme structure and Fees Structure for the Certificate in IPR programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The

structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry.

(iii) Course Duration

The course duration for Certificate in IPR will be 1 year but the student will have to complete the programme within 2 Years from session of enrollment.

(iv) Award of Certificate

Diploma in IPR will be awarded after successful completion of all courses of study.

3. Certificate in Cyber Laws

(i) Admission Qualification

A Candidate seeking admission in Certificate in Cyber Laws program should have passed atleast 10+2 examination or its equivalent in any discipline from a recognized board.

(ii) Programme Structure and Fees Structure

The programme structure and Fees Structure for the Certificate in Cyber Laws programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry.

(iii) Course Duration

The course duration for Certificate in Cyber Laws will be six months but the student will have to complete the programme within 1 Year from session of enrollment.

(iv) Award of Certificate

Certificate in Cyber Laws will be awarded after successful completion of all courses of study.

4. Diploma in Cyber Laws

(i) Admission Qualification

A Candidate seeking admission in Diploma in Cyber Laws program should have passed atleast 10+2 examination or its equivalent in any discipline from a recognized board.

(ii) Programme Structure and Fees Structure

The programme structure and Fees Structure for the Diploma in Cyber Laws programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry.

(iii) Course Duration

The course duration for Diploma in Cyber Laws will be One Year but the student will have to complete the programme within Two Years from session of enrollment.

(iv) Award of Certificate

Diploma in Cyber Laws will be awarded after successful completion of all courses of study.

5. LLM

(i) Admission Qualification

A Candidate seeking admission in LLM should be LLB Graduate from a recognized University.

(ii) Programme Structure and Fees Structure

The programme structure and Fees Structure for LLM programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry.

(iii) Course Duration

The course duration for LLM will be Two Years but the student will have to complete the programme within Four Years from session of enrollment.

(iv) Award of Certificate

LLM will be awarded after successful completion of all courses of study.

ORDINANCE No. 18

TECHNOLOGY PROGRAMMES

(Under Section 27(1) (b) of the Act)

1. Master of Technology in IT / Computer – M.Tech.

(i) Admission Qualification

(i) BE / B.Tech. / MCA / M.Sc. (Computer Science) / M.Sc. (IT) from recognised University or AMIE in Computer Engineering

OR

(ii) Valid GATE Score

(ii) Programme Structure and Fees Structure

The programme structure and Fees Structure for M.Tech. programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry.

(iii) Course Duration

The course duration for M.Tech. will be Two Years but the student will have to complete the programme within Four Years from session of enrollment.

(iv) Award of Certificate

The candidate will be awarded M.Tech. in IT / Computers on successful completion of the course.

The University may offer M.Tech. in other areas of study after due approval from the Academic Council from time to time.

ORDINANCE No. 19
ARTS PROGRAMMES
(Under Section 27(1) (b) of the Act)

1. Master in Arts - MA

(i) Admission Qualification

A Candidate seeking admission in MA should be Graduate from a recognized University.

(ii) Programme Structure and Fees Structure

The programme structure and Fees Structure for MA programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry. The University may offer MA in the following areas of study:

(i) English Language Teaching
(ii) International School Education System
(ii) Guidance, Counselling and Mentoring

The University may offer MA in other areas of study after due approval from the Academic Council from time to time.

(iii) Course Duration

The course duration for MA will be Two Years but the student will have to complete the programme within Four Years from session of enrollment.

(iv) Award of Certificate
MA will be awarded after successful completion of all courses of study.

2. Bachelor of Arts - BA

(i) Admission Qualification

A Candidate seeking admission in BA program should have passed 10+2 examination or its equivalent from a recognized board.

(ii) Programme Structure and Fees Structure

The programme structure and Fees Structure for BA programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry. The University may offer BA in the following areas of study:

(i) Economics
(ii) English

The University may offer BA in other areas of study after due approval from the Academic Council from time to time.

(iii) Course Duration

The course duration for BA will be Three Years but the student will have to complete the programme within Six Years from session of enrollment.

(iv) Award of Certificate

BA will be awarded after successful completion of all courses of study.

ORDINANCE No. 20
COMMERCE PROGRAMMES
(Under Section 27(1) (b) of the Act)

1. Master of Commerce – M.Com.

(i) Admission Qualification

A Candidate seeking admission in M.Com. should be Graduate from a recognized University.

(ii) Programme Structure and Fees Structure

The programme structure and Fees Structure for M.Com. programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry.

The University may offer M.Com. in such areas of study as approved by the Academic Council from time to time.

(iii) Course Duration

The course duration for M.Com. will be Two Years but the student will have to complete the programme within Four Years from session of enrollment.

(iv) Award of Certificate

M.Com. will be awarded after successful completion of all courses of study.

2. Bachelor of Commerce – B.Com.

(i) Admission Qualification

A candidate seeking admission in B.Com. program should have passed 10+2 examination or its equivalent from a recognized board.

(ii) Programme Structure and Fees Structure

The programme structure and Fees Structure for B.Com. programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry. The University may offer B.Com. in areas of study after due approval from the Academic Council from time to time.

(iii) Course Duration

The course duration for B.Com. will be of Three Years but the student will have to complete the programme within Six Years from session of enrollment.

(iv) Award of Certificate

B.Com. will be awarded after successful completion of all courses of study.

ORDINANCE No. 21
SCIENCE PROGRAMMES
(Under Section 27(1) (b) of the Act)

1. Bachelor of Science – B.Sc.

(i) Admission Qualification

A candidate seeking admission in B.Sc. programme should have passed 10+2 examination or its equivalent from a recognized board.

(ii) Programme Structure and Fees Structure

The programme structure and Fees Structure for B.Sc. programme will be as such being decided by the Academic Council from time to time. The structure will be designed in accordance to the current requirements of the academic qualification and industry. The University may offer B.Sc. in following areas of study:

(a) Information Technology
(b) Electronics
(c) General

The University may offer B.Sc. in areas of study after due approval from the Academic Council from time to time.

(iii) Course Duration

The course duration for B.Sc. will be of Three Years but the student will have to complete the programme within Six Years from session of enrollment.

(iv) Award of Certificate

B.Sc. will be awarded after successful completion of all courses of study.

ORDINANCE No. 22
DOCTOR OF PHILOSOPHY PROGRAMMES
(Under Section 27(1) (b) of the Act)

1. Eligibility

(a) Any Post Graduate from recognized University / Institution

OR

(b) BE / B.Tech. and Minimum 5 years of Industry Experience in which preferably 2 years of experience in the area of research.

OR

(c) Any other qualification as decided by the Academic Council from time to time.

2. The applicant will purchase the Information Brochure from the nearest Knowledge Access Node as mentioned on the website / advertisement for enrollment in Ph.D. as per the eligibility criteria mentioned in the prospectus or the guidelines issued by the University from time to time.

3. The applicant will fill the application form available in the prospectus and submit it to nearest Knowledge Access Node with the following details in separate sheet of paper(s):

   (a) Copies of the Degree with Mark-sheet/Grade Card of the last highest examination passed

   (b) 4-6 pages details by the applicant about the various courses studied, specialization stream, project(s) undertaken, papers published, strong subject(s) and proposed area of research etc.

4. Knowledge Access Node will forward the application form and the attached details of the applicant to Director (Registration and Admission), NUMGEX.

5. On receiving the details, Ph.D. Student Admission Advisory Council (PSAAC) of NUMGEX will scrutinize the details submitted by the applicant. After preliminary screening, the proposal submitted by the applicant will be sent to Research Degree Committee (RDC) who will evaluate the candidate on the basis of the screening / presentation made by the applicant.

6. The applicant will be informed by the University about the date, time, venue and other details required for screening / presentation to be made by the applicant. On approval of RDC, the applicant will be allowed to register in Ph.D. programme.

7. Applicant has to undergo minimum of **two compulsory courses** and set of more courses as advised by the RDC based on the background of the applicant and evaluation made during screening / presentation. These courses need to be finished in minimum duration of One year or maximum duration of Two years. After completion of these required courses, the applicant will submit the dissertation proposal. The compulsory papers are:
   (a) Research Methodolgy
   (b) Usage of Information Technology Tools for Research
   There can be inclusion or exclusion of any other courses as per the requirements and approval of Academic Council.
8. The applicant needs to submit his thesis in the area and subject of research selected by the candidate in accordance to the decisions and guidelines approved by the Academic Council from time to time after due approval of RDC.
9. The Fees Structure and stages of payment shall be as approved by the Academic Council from time to time.
10. The Academic Council of the University can approve and issue any other guidelines, rules and regulations required for the admission, evaluation and fees structure.

रायपुर, दिनांक 5 दिसम्बर 2003

क्रमांक एफ-73-81/03/उ.शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 25 (2) के अंतर्गत मोदी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रायपुर के शासी निकाय द्वारा प्रस्तुत विश्वविद्यालय की प्रथम संविधियों क्रमांक को उप नियम (4) के अंतर्गत सहमति प्रदान करता है तथा उप नियम (5) के अंतर्गत प्रस्तुत 23 (तेईस) प्रथम संविधियां अनुमोदित करता है.

यह संविधियां राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से प्रभावशील होगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

STATUTE NUMBER 01

NAME AND OBJECTS OF THE UNIVERSITY

1.The name of the University shall be **Modi International University**

2. The objects of the University shall be:

i.To establish a campus in Chattisgarh and study centres at different places in India and abroad.

ii.To establish state of the art facility for online and distance education.

iii.To carry out teaching and research and offer continuing education programmes.

iv.To provide consultancy to industry, public organization and Central/ State Governments.

v.To ensure that the degrees, diplomas, certificates and other acadamic distinctions are at par with those laid down by AICTE/UGC etc.

vi.To bring foreign Universities programs/ degrees/ affiliations to India.

vii.To provide broad based educational foundation including a focus on business and technology. An education designed to prepare students for leadership positions in a dynamic global market place.

viii.To provide education programs to a student population that includes working adults and international students.

ix.To provide education in a format and at times and locations conducive to the student population.

x.To provide programs that meet educational needs, identified by industry, government and other institutions of higher education in communities served by the University.

xi.To provide an international educational environment through implementation of a global-oriented curriculum.

xii.To generate the financial resources to ensure financial viability for development of more campuses across country and outside.

xiii.To provide for education of the weaker sections of society for their growth & development.

xiv.To build international standard campuses and institutes to provide high quality education to save outgo of foreign exchange.

xv.To pursue any other objective as may be approved by the State Government.

3. Definitions

The following definitions are applicable:

i.University - means **Modi International University**
ii.GB- means the Governing Body of the University,
iii.BOM- means Board of Management of the University,
iv. Sponsoring body - means sponsoring organization i.e. **Modi Innovative Education Society (MIES)**

Note: His - also includes 'her' and 'he' also includes 'she' wherever applicable.

STATUTE NUMBER 02

OFFICERS OF THE UNIVERSITY.

1. The following shall be the officers of the University:

i. The Visitor
ii. The Chancellor
iii. The Vice Chancellor
iv. The Registrar
v. The Chief Finance and Accounts Officer.
vi. Other officers as declared by Statute Number 14 to be officers of the University
vii. Other Officers as may be declared by the Board of Management of the University to be the officers of the University.

The Board of Management will decide on the time/ need of appointment of the Officers of the University and the single/ dual responsibility of the Officers.

STATUTE NUMBER 03

CHANCELLOR

1. The Chancellor shall be appointed by the sponsoring organization body for a period of 3 years with prior approval of the Visitor

2. The Executive Committee of the sponsoring body shall, by simple majority, finalize the name of the Chancellor and the Secretary/President of the sponsoring body shall send it to the Visitor, along-with bio-data, of the proposed Chancellor for his approval. After Visitor's approval, the Chancellor shall be appointed by the sponsoring body.

3. The Chancellor shall be the head of the University.

4. The Chancellor shall preside at the meetings of the Governing Body and shall, when the Visitor is not present, preside at the Convocation of the University for conferring degrees or diplomas.

5. The Chancellor shall have the following powers, namely
   a. To call for any information or record;
   b. To appoint the Vice-Chancellor
   c. To remove the Vice - Chancellor

6. The Chancellor shall hold office for a period of 3 years and shall be eligible for reappointment provided the sponsoring body approves the proposal.

7. Notwithstanding the expiry of his term, he shall continue to hold office until he is reappointed or his successor is appointed.

8. In case of an emergency like illness, absence or death of the Chancellor the Vice-Chancellor shall perform his duties till the Chancellor rejoins his office or the new Chancellor is appointed.

9. It shall be the duty of the Chancellor to ensure that the Act, the Statutes, Ordinances and the Regulations are faithfully observed.

10. The Chancellor shall exercise general control over the affairs of the University.

11. The Chancellor shall be entitled to receive expenses and allowances as may be decided by the sponsoring body.

12. In a special meeting called for this purpose, the Executive Committee of the sponsoring body may consider a No Confidence motion against the Chancellor and if passed by two-thirds majority can decide to remove him from the Chancellorship of the University and can appoint a new person with prior permission of the Visitor.

13. The second and further appointments of the Chancellor can be done by the Executive Committee of the Sponsoring Body on the basis of simple majority with the prior approval of the visitor.

STATUTE NUMBER 05

VICE CHANCELLOR

1. The Vice Chancellor shall be appointed by the Chancellor from a panel of three persons recommended by the Governing Body and shall, subject to provisions contained in sections 34(7) of the Act, hold office for a term of four years. Provided that after expiration of the terms of 4 years, the Vice Chancellor shall be eligible for re-appointment for another term not exceeding 4 years.

2. In case the number of names brought up in the Governing Body for recommendation to the Chancellor is more than three, then a subcommittee constituted by the sponsoring body's nominees in the Governing Body, shall conduct the first screening to arrive at a panel of 3 persons for recommendation to the Chancellor.

3. At least one month before the expiry of the term of a Vice Chancellor, the Governing Body shall send to the Chancellor, a proposal for appointment of incumbent Vice Chancellor for the second term or for appointment of a new Vice Chancellor. If the Governing Body fails to send its recommendation to the Chancellor as required under subsection (1) and (2) one month before the expiry of the terms of the organization's nominees in the Governing Body, Chancellor shall reappoint the existing Vice Chancellor or select and appoint a new Vice Chancellor.

4. The Vice Chancellor shall be the Principal Executive and Academic Officer of the University and shall exercise general superintendence and control over the affairs of the University.

5. The Vice Chancellor shall preside at the Convocation of the University in the absence of both the Visitor and the Chancellor.

6. If, in the opinion of the Vice Chancellor, it is necessary to take immediate action on any matter for which powers are conferred on any authority by or under this Adhiniyam, he may take such action as he deems necessary and shall, at the earliest opportunity thereafter, inform such officers or authorities as would have, in the ordinary course originally dealt with the matter. Provided that if, in the opinion of the concerned authority, such action should not have been taken by the Vice Chancellor, then such cases shall be referred to the Chancellor whose

decision thereon shall be final. Provided that where any such action taken by the Vice Chancellor affects any person in the service of the university, such person shall be entitled to prefer within 3 months from the date on which such action is communicated to file an appeal to the Board of Management and the Board of Management may at its meeting confirm or modify or reverse the action taken by the Vice Chancellor The decision of the BOM will be final and binding. Provided also that the Chairman for such a meeting would be one of the members of the BOM other than the Vice Chancellor.

7. If, in the opinion of the Vice Chancellor, any decision of any authority of the university is outside the powers conferred by this Adhiniyam Statutes or Ordinances or is likely to be prejudicial to the interest of the University, he shall advice the concerned authority to revise its decision within 7 days from the date of this decision and in case, the authority refuses to revise such decision, the matter shall be referred to the Chancellor and his decision thereon shall be final and binding.

8. The Vice Chancellor shall continue to hold office till the expiry of his/her term.

9. If at any time upon representation made or otherwise and after making such inquiry as may be deemed necessary, it appears to the Chancellor that
   i. The Vice Chancellor has made default in performance of any duties imposed on him by or under this Act or.
   ii. Has acted in a manner prejudicial to the interest of the university or.
   iii. Is incapable of managing the affairs of the university, the Chancellor may notwithstanding the fact that the term of office of the Vice Chancellor has not expired, by an order in writing, stating the reason therein, ask the Vice Chancellor to relinquish his office from such date as may be specified in the order.
   iv. In the event of the occurrence of any vacancy including the temporary vacancy in the office of the Vice chancellor by reason of resignation, leave illness or otherwise the Chancellor shall nominate a pro-vice chancellor (senior most if there is more than one), or a Dean of any faculty to act as Vice Chancellor until the date on which a new Vice Chancellor is appointed and enters upon the office.

10. The Vice Chancellor shall receive a fixed pay per month plus other allowances as decided by the sponsoring body from time to time. He will also be entitled for yearly increments in his fixed salary.

11. The Vice Chancellor shall cause the budget to be made by the BOM of the University and shall sanction and control all the financial matters of the University. He may also decide to delegate his powers to other officers of the University. Such delegation should be reported to and approved by the BOM

STATUTE NUMBER 05

REGISTRAR

1. The Registrar will be a key officer of the University. All contracts shall be signed by the Registrar on behalf of the University and he shall authenticate all documents and records.

2. The Registrar shall be a whole time salaried officer of the University and shall discharge his duties subject to general superintendence and control of the Vice Chancellor. He will act as the Secretary of the Board of Management of the Academic Council and of any other body as may be prescribed by the BOM.

3. The first Registrar shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of the sponsoring body initially for two years. On completion of this period the Governing Body may extend his services for a further period of three years. His services may also be terminated by the Governing Body by giving one month's notice.

4. The subsequent Registrar shall be appointed by inviting applications and shall be interviewed and selected by the selection committee consisting of the following.

   a. A nominee of the Chancellor.
   b. A nominee of the Sponsoring Body.
   c. Vice Chancellor who shall act as the Chairman.

   The selection committee will follow the following procedure:

   a. The date of the meeting of the Selection Committee shall be fixed and members shall be given at least 15 days notice.

   b. The quorum in the meeting of the selection committee will be of at least 2 persons.

   c. The Selection Committee shall interview and adjudge the merit of each candidate and report to the Board of Management. The names will be arranged in the order of merit for the post of Registrar.

   d. The Chancellor shall appoint the Registrar on the recommendation of BOM.

   The qualifications of the Registrar will be as follows:

   B.E. (in any branch of engg.) B.Tech. /M.B.B.S. or post graduate in any subject with five years administrative experience in any University, Educational Institution or Industry.

   OR

   Graduate in any faculty with ten years of administrative experience in any University, Educational Institution or Industry.

5. The Registrar shall receive a fixed pay per month plus other allowances as decided by the BOM from time to time

6. The age of retirement of the Registrar shall be sixty-five years.

7. The Chancellor on the recommendation of the BOM can terminate the services of the Registrar by giving him one month's notice or one month's salary in lieu of notice.

8. Duties of the Registrar:

   a. To be the custodian of the common property, records, library and such other property of the university as the Governing Body under the Act shall commit to his charge.

   b. To conduct official correspondence on behalf of the Board of Management, Academic Council and other committees.

   c. To issue notices conveying the dates of meetings of the university authorities to the members and to make all arrangements there to perform such other duties from time to time as prescribed by the Board of Management and generally render such assistance as may be desired by the Vice Chancellor in the performance of his official duties.

   d. The Registrar shall arrange for and supervise the examinations of the university.

   e. The Registrar shall provide copies of the agenda of the meetings of the Academic Council, Board of Management, and such other bodies, which are formed under the direction of the Vice Chancellor and shall record the minutes and send the same to the Vice Chancellor. He shall also supply all such papers and information as the Vice Chancellor may direct him to supply.

   f. He shall discharge all such functions assigned to him by the Vice Chancellor.

STATUTE NUMBER 06
CHIEF FINANCE & ACCOUNTS OFFICER

1. The Chief Finance and Accounts Officer (CFAO) shall be a key officer of the University responsible for handling accounts and finances of the University.

2. The CFAO will be a whole time salaried officer of the University and shall discharge his duties subject to the general superintendence and control of the Vice Chancellor.

3. The first CFAO will be appointed by the Chancellor on the recommendation of the sponsoring body initially for a period of two years. On completion of the period his service may be extended by the Governing Body. His services may be terminated by the Governing Body by giving one month's notice.

4. The subsequent CFAO shall be appointed by inviting applications and shall be interviewed and selected by the selection committee consisting of the following.

   a. A nominee of the Chancellor

b. A nominee of the Sponsoring Body

c. Vice Chancellor who shall act as the Chairman of the committee.

The Selection committee will follow the following procedure:

a) dates of the meetings of the Selection Committee shall be fixed and members shall be given at least 15 days notice.

b) The quorum in the meeting at the Selection Committee will be of at least 2 persons.

c) The Selection Committee shall interview and adjudge the merit of each candidate and give recommendations to the Board of Management. The names will be arranged in the order of merit for the post of CFAO

d) The Chancellor shall appoint the CFAO on the recommendation of BOM.

5. The qualifications of the CFAO would be:M.Com/M.B.A./CA. or equivalent with five years of relevant experience in a University, Educational Institution or Industry.

6. The CFAO shall receive a fixed pay per month plus other allowances as decided by the BOM from time to time.

7. The age of retirement of CFAO will be sixty five Years.

8. The Services of the CFAO can be terminated by the Chancellor on the recommendation of the BOM by giving him one month's notice or one month's salary in lieu of notice.

9. The Chief Finance & Accounts Officer shall be responsible to see that, Accounts and Funds of the University, are properly maintained and regularly audited.

10. The Chief Finance & Accounts Officer shall supervise, control and regulate the working of Accounts and Audit section of the university

STATUTE NUMBER 07
GOVERNING BODY:

1. The Governing Body of the University shall consist of the following namely:
   i. Chancellor
   ii. Vice Chancellor
   iii. Three Persons nominated by the sponsoring body
   iv. One representative of the State Government.
   v. An Educationist of repute to be nominated by the State Government
   vi. One Academician to be nominated by the Visitor.

2. The Chancellor shall be the Chairman of the Governing Body

3. Vice Chancellor or a nominee of the sponsoring body shall be the member secretary of the governing body.

4. The Governing Body shall be the supreme authority of the University and shall have the following powers namely.

    i. To review the decisions of other authorities of the University in case they are not in conformity with the Adhiniyam, Statutes, and Rules Ordinances or in the interests of the university.
    ii. To approve the Budget and Annual Report of the University.
    iii. To lay down the policies to be followed by the University.
    iv. To take decisions about voluntary liquidation of the University

5. The Governing Body shall meet at least twice in a calendar year.

6. The term of the nominated members of the Governing Body will be three years, however they will continue to function even after the expiry of their term till the next persons are appointed or the existing members are reappointed.

7. If the Chancellor cannot attend due to unforeseen circumstances the meeting may be rescheduled with sufficient notice or will be chaired by another member of the GB other then the VC nominated by the Chancellor in writing.

8. In a meeting of the GB conducted without the presence of the Chancellor or if the members at a meeting is less than 4 including the Chairman, such a meeting of the GB may not take any decision on the voluntary liquidation of the University

STATUTE NUMBER 08

BOARD OF MANGEMENT

1. The Board of Management of the University shall consist of the following members namely.

    a. Vice Chancellor
    b. One representative to be nominated by the State Govt.
    c. Three representatives to be nominated by the sponsoring body
    d. An educationist of repute,
    e. A professor of repute.

    The Vice Chancellor shall be the Chairman of the Board of Management. The terms of the nominated members of the BOM will be three years however they will continue to function even after the expiry of their term till the next person is appointed or the existing member is reappointed.

2. Powers and functions of the Board of Management.

    The Board of Management shall exercise following powers and perform the following duties:

i. To formulate the subsequent statutes after the first statutes and put it for the

approval of the GB.

ii. To hold, control and administer the property and funds of the University.

iii. To adopt financial accounts together with audit report.

iv. To frame the annual Financial Assessment of the University and to place it before the Governing body along with annual Report for its consideration

v. To adopt Annual Financial Estimates after considering the suggestions of the Governing body.

vi. To borrow and lend funds on behalf of the University

vii. To enter into carry out, and cancel contracts on behalf of the University

viii. To determine the custody and regulate the use of common seal of the University

ix. To admit and affiliate colleges, and set up study centers all over India and abroad and admit study campuses to the privilege of the university and to withdraw any of these privileges and to take over the management of the colleges in the manner prescribed by statutes and ordinances.

x. To perform any other duties which may be assigned to it by the Governing Body chairman of the governing body or by other statutes.

STATUTE NUMBER 9

ACADEMIC COUNCIL

1)The Vice Chancellor shall constitute the Academic Council based on the needs and requirements of the University.

2)Council shall comprise of:

a. ViceChancellor
b.Dean of Faculty
c.Chairman Board of Studies
d.Professors from various streams
e.Not more than five eminent scholars/ professionals of academic repute to be nominated by the Vice Chancellor

3) The Council's duties would be to guide the University on the Academic front.

STATUTE NUMBER 10

STANDING COMMITTEE OF ACADEMIC COUNCIL

I. A Standing Committee shall be constituted as under:

a. Vice Chancellor
b. Registrar
c. Dean of Faculties.
d. Vice-Chancellor may nominate members to advise on certain matters of their expertise.

The Registrar shall act as Secretary of the Standing Committees.

Meeting of the Standing Committee shall be convened under the directions of the Vice Chancellor.

2. It shall be the duty of the Standing Committees to render advice on equivalence of examinations in consultation with the Faculties concerned and in such matters as may be referred to it by the Academic Council, or by the Board of Management. The Standing Committee may dispose of other matters, referred to it by the Academic Council/ Board of Management

STATUTE NUMBER 11
BOARD OF EXAMINATION

1. The Board of Examination will consist of the following members:
   i. Vice Chancellor
   ii. Registrar
   iii. Chairman of the Board of Studies concerned.
   iv. One member of the Board of Studies concerned to be nominated for the purpose by the Vice -Chancellor.

2. All examiners and moderators of the examination shall be appointed by the Vice Chancellor in consultation with the Board of Examination.

3. The manner of appointment of examiners including internal, external and co-examiner shall be proposed by the Board of Examination. However the Vice-Chancellor will have the right to add or delete names in from the proposed list.

STATUTE NUMBER 12

FACULTIES

1. The University shall have all or any of the following faculties:

i. Information Technology
ii. Nursing
iii. Sciences (including Bio-technology)
iv. Education
v. Engineering and Technology
vi. Medical Science
vii. Commerce, Management and Insurance
viii. Arts (including Languages)
ix. and such other faculties prescribed by the Governing Body from time to time

2. Each faculty shall consist of the Dean and such other members and shall have such powers and perform such duties as may be prescribed by the Governing Body.

3. Each faculty shall have such departments as may be assigned to it by the Academic Council.

4. The Dean of the faculty shall be appointed by the Vice Chancellor for a period of two years from amongst the professors of the University Teaching Departments or School of Studies or Institutes who are teaching in the subjects assigned to the Faculty.

5. The Dean shall be the Chairman of the Faculty and shall be responsible for the due observance of the Statues, Ordinances and Regulations relating to the Faculty and

for the conduct and maintenance of the standards of teaching and research.

6. The Dean shall have the right to be present and to speak at any meeting of any Board of Studies of the faculty but shall not have the right to vote there at.

7. The List of Subjects conferred to each Faculty will be decided by the Academic Council.

STATUTE NUMBER 13

STUDENTS' COUNCIL

1. The Vice Chancellor shall, appoint, on the Students Council, one student from each Faculty who has obtained the first position on the basis of total marks obtained in the preceding Degree Examination and who is engaged in full time Post Graduate study in the University.

2. In case the student who has obtained the first position is not engaged in full time study in the university, the Vice Chancellor shall nominate the student who obtained the next highest position and who is engaged in full time Postgraduate study in the University.

3. The Vice Chancellor can also decide to involve other categories of students in the Students Council depending upon the need of student participation for the benefit of the University

STATUTE NUMBER 14

OTHER OFFICERS OF THE UNIVERSITY

1. The following shall be the other Officers of the University:

   i. The Controller of Examinations/ Director Evaluation
   ii. The Director, Distance Education / online learning
   iii. Dean- Student welfare
   iv. The Librarian of the University

   Such others as may be decided by the Board of Management.

2. The requirement of the appointment and detailed work responsibilities of all these officers shall be decided by the Vice Chancellor in consultation with the Board of Management based on the needs and requirements of the University.

3. The posts for other subsidiary positions (Class II, III and others) shall be created by the Board of Management as and when the need arises. The Board of Management shall also decide the qualifications and selection procedures along with salaries and emoluments. The University can also appoint various officers on contract basis.

STATUTE NUMBER 15
CLASSIFICATION OF EMPLOYEES AND THEIR SERVICE CONDITIONS.

1. The following types of employees shall work in the University
   Permanent employee

Probationary employee
Officiating employee
Contractual professional
Temporary employee
Casual employee
Apprentices

2. Permanent employee means an employee who is appointed on contract in writing duly signed and who is in the exclusive employment of the University and who has been engaged on a permanent basis and who has been confirmed by an order in writing.

3. Probationary employee means an employee who is appointed in a clear vacancy on probation which generally shall not be more than two years but in extreme cases could be extended by another year.

4. Officiating Employee means an employee officiating on a post where the employee performs duties of the post on which another employee has a lien or which is temporarily lying vacant.

5. Contractual professional means a person who is appointed for a contract period.

6. Temporary Employee means an employee engaged by contract in writing for a specific period or specific work or who has been engaged on temporary basis as such.

7. Casual Employee means an employee whose employment is purely of a temporary nature engaged on the basis of the Muster Roll and includes Work charged employees.

8. Apprentice means a person who is a learner and who may or may not be paid an allowance during the period of his training.

9. Every employee as defined above shall be employed only by an order in writing by competent authority in the prescribed form with terms and conditions of service as may be stated therein except in the case of casual or apprentice who may be appointed on Muster Roll or by a mere letter in writing by the competent authority.

10. The terms and conditions of service of all the above types of employees and arbitration procedures shall be decided by the Board of Management.

STATUTE NUMBER 16
CONFERMENT OF HONORARY DEGREES AND ACADEMIC DISTINCTIONS.

1.
   i. Proposal for conferment of an Honorary Degree or Academic Distinction shall be made by writing under the signature of any member of the Academic Council addressed to the Vice Chancellor and communicated in confidence,

   ii. On receipt of the proposal, the Vice Chancellor on being satisfied that the proposal is in conformity with the provision of the Act shall call a special meeting

of the Board of Management to consider the proposal.

iii. At such a special meeting of the proposal the Vice Chancellor shall call upon the members to indicate their opinion on the proposal by a secret ballot. No speeches or comment shall be permitted on the proposal at such meetings.

iv. The Vice Chancellor shall ascertain from scrutiny of the ballot papers if the proposal has the requisite support. If the Vice Chancellor finds that the proposal has the requisite support of the members, he shall declare that the proposal shall be submitted for approval to the next meeting of the Governing Body,

v. Every proposal for conferment of an Honorary Degree or Academic Distinction shall be separately made and considered in respect of a proposed recipient.

2.

i. If the proposal is to be submitted for approval of the Governing Body it shall be included in the agenda of the next meeting of the Governing Body.

ii. Any such proposal submitted for approval of the Governing Body shall be decided by a secret ballot of the members of the Governing Body present and voting at the meeting.

iii. No member of the Governing Body shall be permitted to discuss, comment or make any speech in respect of the proposal at such meetings

iv. The Vice Chancellor shall scrutinize the ballot papers in respect of the proposal with the help of tellers if necessary

v. On scrutiny, if the proposal is found to have the requisite support the proposal shall be declared to be carried. In the absence of the requisite support the proposal shall be declared to be dropped.

vi. If the proposal is supported by the requisite number of members, it shall be submitted for confirmation to the Chancellor.

STATUTE NUMBER 17

PROVISION REGARDING FEES AND EXEMPTION FROM TUITION FEES

1. All the courses will be run on self-finance basis.

2. The fee structure of various courses and provision of exemption from tuition fees will be decided by the Board of Management from time to time. It will be made available to the students along with prospectus for the relevant session.

3. Students may opt for Bank / educational loans based on their meeting up with the criteria defined by the respective institution providing with the facility.

STATUTE NUMBER 18

ADMINISTRATION OF ENDOWMENTS FOR THE AWARD OF FELLOWSHIP, SCHOLARSHIP MEDALS AND PRIIZES IN THE UNIVERSITY

1. The Board of Management may accept donations for the creation of the endowment for the award of Fellowships, Scholarships, Stipend, Medals and prizes of the recurring nature.

2. The Board of Management shall administer all the endowments.

3. The award shall be made out of the annual income accruing from the endowment. Any part of the income, which is not so utilized, would be added to the endowment.

4. The BOM shall prescribe the conditions or deposit in a Bank. The value of endowment necessary for instituting an award shall be prescribed by the Board of Management

5. No endowment shall be accepted in contravention of the award and effect shall be given to the wishes of the donor as far as possible.

6. In case any endowment is accepted by the Board of Management, the Board shall make a regulation giving the name of the donor. Name of endowment initial value and the purpose of the endowment.

STATUTE NUMBER 19

POLICY OF ADMISSION

1. The University will follow the nomenclature of Degrees, Post Graduate Degrees and doctoral programmes for the courses, which are included in the UGC list of courses. For such courses the eligibility criteria will be the same as prescribed by UGC. The University will follow nomenclature of affiliating foreign Universities in case of programs offered with affiliation.

2. The University will also institute degree, diploma and certificate courses and other academic distinctions on the basis of examination or any other method of evaluation based on provisions of section (3) of the Act.

3. The eligibility criteria for the courses instituted as per sub clause (2) shall be decided by the Board of Management.

4. The eligible students as per sub clause (1) and (3) above can seek admission to the University courses.

5. To decide eligibility students are required to submit certified copies of the marks sheet, Board certificate, provisional certificate with the application form accompanied by the prescribed fees before the due date. In case of delay, applicant will have to pay late fee as prescribed.

6. The student will have to file the prescribed application form on payment of fees along with requisite documents i.e. certified copy of the mark sheet, Character Certificate, Provisional Certificate, Migration Certificate if need be.

7. The Board of Management of the university will prepare the academic schedule of the University and admission and examinations will be based on this academic

schedule.

8. The admission dates will be announced through open advertisement in newspapers.

9. The fake or illegal University lists are notified by University grant Commission in the newspapers every year. Students from these Universities will not be eligible for admission.

10. Non-Resident Indians / foreigners can also seek admission in the university.

11. The Students who are placed in compartment category for failing in one subject are eligible for provisional admission to the next class. In case the student does not pass the supplementary examination his provisional admission will be cancelled. Information about the cancellation of provisional admission will be notified on the notice board or on websites of the University or through official means of communication. Those who pass the supplementary examination will be admitted/ promoted to the next class. The list of such students will also be exhibited on the notice board or on web sites of university or through official means of communication.

12. The fees paid by the students will be non refundable.

13. Every student will have to give a declaration to the effect that there is no criminal case against him/ her and he/ she would follow all the rules and regulations of the university. Failing this his/her admission will be cancelled.

14. The Head of the Department / College Principal/ Study Center Head / Coordinator will have the right to accept or refuse admission, as may be delegated by the Board

15. Normally the following documents will be filed at the lime of admission

    i. Transfer Certificate
    ii. Certified copy of the statement of marks of the last examination
    iii. Good conduct certificate.
    iv. Migration Certificate
    v. 2 Photographs passport size
    vi. Prescribed fees
    vii. No objection certificate, from the employers, if a student is employed.
    viii. Student declarations
    ix. In addition to the above documents students opting to pursue a dual degree program through one of the Modi International University's partner universities (national or foreign) will have to meet all of the standards & requirements of that institution.

Note: The list of documents may vary as per academic regulations of the University as approved by the BOM from time to time.

STATUTE NUMBER 20

PROCEDURE OF ADMISSION AND SELECTION OF STUDENTS.

1. The university shall reserve the right to decide the mode of admission to all academic programs run by it.

2. All academic admissions will be based on either a Common admission test or a Departmental Admission Test (DAT) or on the basis of marks in the qualifying examinations on such fees and charges as may be decided by the University from time to time. Tests may be conducted onsite or online

3. In case such admission tests are not conducted for any reason by the university the admission for all the courses shall be made on the basis of competitive merit of the student in the qualifying examination and or other methods of evaluation including group discussions, interviews etc.

4. Having regard to the maintenance of discipline, the competent admission authority of the University or in the respective college and study centers shall have the powers to refuse the admission.

5. The University may frame rules for adjudication of disputes regarding admission in the University.

STATUTE NUMBER 21

PROVISION REGARDING FEE TO BE CHARGED FROM THE STUDENTS.

1. All the courses in the University will be run in self-finance mode. The following types of fees will be charged from the students.

   i. Prospectus/ Registration form
   ii. Admission or admission Test fees (where applicable)
   iii. Tuition fees for the course - semester or year wise
   iv. Examination fees
   v. Library fees -online
   vi. Library fees -physical mode
   vii. Development amalgamated fund
   viii. Recreation charges
   ix. Laboratory fees
   x. Hostel charges
   xi. Caution Money

2. In addition fees for duplicate mark sheets, revaluation, issuance of degree such other examinations, results related, fee will be charged from the students.

3. The components of fee may vary from course to course and shall be decided by the Board of Management for each course, the BOM also will have right to affect change in the course fees from time to time.

4. Students may opt for Bank / educational loans based on their meeting up with the criteria defined by the respective institution providing with the facility.

STATUTE NUMBER 22

PROVISION REGARDING NUMBER OF SEATS IN DIFFERENT COURSES.

1. As recommended by the Academic Council and approved by the Board of Management, the number of seats in a class, subject centre and faculty will be notified by the University from time to time.

2. The Head of the concerned department in a College or University will have a right to refuse admission to a student to his department for justifiable reasons.

STATUTE NUMBER 23

ANNUAL REPORT

1. The annual report of the university shall be prepared after the financial year has closed.

2. The annual report shall cover the period commencing from the 1st day of July to the 30th June next succeeding or such period like calendar year as decided by BOM

3. A copy of the annual report shall be placed before the Governing Body along with the Agenda for the annual meeting of the governing body.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला कांकेर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

कांकेर, दिनांक 31 दिसम्बर 2003

क्रमांक 2181/भू-अर्जन/4/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (एक) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
उत्तर बस्तर कांकेर	भानुप्रतापपुर	मिचगांव	0.48	अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण उप संभाग, कांकेर.	मिचगांव-कोड़ेकुर्से मार्ग के कि.मी. 7/6 में कोटरी नदी पर सेतु पहुंच मार्ग निर्माण.

कांकेर, दिनांक 31 दिसम्बर 2003

क्रमांक 2182/भू-अर्जन/5/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (एक) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
उत्तर बस्तर कांकेर	भानुप्रतापपुर	कोड़ेकुर्से	0.14	अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण उप संभाग, कांकेर.	कोड़ेकुर्से-भुरके मार्ग के कि. मी. 1/4 में भुरके नदी पर पुल पहुंच मार्ग निर्माण.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एस. एन. ध्रुव, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

रायपुर, दिनांक 12 दिसम्बर 2003

क्रमांक क/वा 1/अ.वि.अ./03 अ-82, 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-रायपुर

(ख) तहसील-आरंग

(ग) नगर/ग्राम-पारागांव, पटवारी ह. नं. 59/43

(घ) लगभग क्षेत्रफल-4.54 एकड़

खसरा नम्बर (1)	रकबा (एकड़ में) (2)
1141	2.65
1142/2	0.32
1140	0.32
1142/1	1.25
योग	4.54

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है-राजीव आगमेन्टेशन (व्यपवर्तन) योजना के अंतर्गत लिंक केनाल के निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है.

रायपुर, दिनांक 2 जनवरी 2004

क्रमांक वा-1/भू-अर्जन/01/अ-82/2002-03.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-रायपुर

(ख) तहसील-गरियाबंद

(ग) नगर/ग्राम-गुजरा

(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.86 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
526	0.04
527	0.12
430/1	0.14
432	0.13
428	0.20
427	0.13
232	0.10
योग	0.86

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है-दशपुर जलाशय योजना के अंतर्गत.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, गरिया-बंद के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सी. के. खेतान, कलेक्टर एवं पदेन सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायपुर, दिनांक 5 जनवरी 2004

क्रमांक अ.वि.अ. भू-अर्जन/प्र. क्र. 04 अ/82 वर्ष 2002-03.—ग्राम निसदा प.ह.नं. 148/44 तहसील आरंग स्थित निजी भूमि को राजीव आगमेन्टेशन (व्यपवर्तन) योजना के अंतर्गत लिंक केनाल के निर्माण हेतु कुल खसरा नंबर 50 कुल रकबा 15.84 हेक्टर अर्थात् 39.47 एकड़ निजी भूमि के भू-अर्जन करने हेतु भू-अर्जन अधिनियम, 1894 के तहत प्रारूप अधिसूचना धारा 4 (1) क्रमांक 04 भू-अर्जन/अ-82 वर्ष 2002-03 दिनांक 28-7-03 जारी किया गया था जिसका विधिवत् प्रकाशन राजपत्र एवं दो स्थानीय समाचार पत्रों में किया जा चुका है. किन्तु बंदोबस्त त्रुटि सुधार के फलस्वरूप 18 खसरा नम्बरों की भूमि के क्षेत्रफल में परिवर्तन हो गया है जिसका विवरण निम्नानुसार है :—

सरल क्रमांक	खसरा क्रमांक	पूर्व प्रकाशित धारा 4 (1) के अनुसार क्षेत्रफल (रकबा)		बंदोबस्त त्रुटि सुधार के फलस्वरूप वर्तमान में, धारा 4 (1) के लिए संशोधित क्षेत्रफल (रकबा)	
		हेक्टर में	एकड़ में	हेक्टर में	एकड़ में
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	447	0.27	0.67	0.37	0.92
2.	448	0.42	1.05	0.50	1.25
3.	449	0.25	0.62	0.30	0.75
4.	452	0.32	0.80	0.42	1.05
5.	450	0.41	1.02	0.58	1.45
6.	451	0.25	0.62	0.47	1.17
7.	453	0.34	0.85	0.39	0.97
8.	455	0.40	1.00	0.58	1.45
9.	456	0.10	0.25	0.18	0.45
10.	540	0.18	0.45	0.20	0.50
11.	547	0.35	0.87	0.46	1.15
12.	556	0.89	2.22	1.20	3.00
13.	538	0.05	0.12	0.09	0.22
14.	933	0.20	0.50	0.25	0.62
15.	932	0.30	0.75	0.33	0.82
16.	557	0.05	0.12	0.07	0.17
17.	1304	0.21	0.52	0.22	0.55
18.	1314/1	0.12	0.30	0.15	0.37

अत: इस शुद्धि पत्र के अनुसार पूर्व में प्रारूप अधिसूचना 4 (1) में प्रकाशित कुल खसरा नम्बर 50 कुल रकबा 15.84 हेक्टर अर्थात् 39.47 एकड़ भूमि के स्थान पर अब कुल खसरा नंबर 50 कुल रकबा 17.49 हेक्टर अर्थात् 43.60 एकड़ पढ़ा और माना जावें.

रायपुर, दिनांक 5 जनवरी 2004

क्रमांक अ.वि.अ. भू-अर्जन/प्र. क्र. 05 अ/82 वर्ष 2002-03.—ग्राम पंधी प.ह.नं. 148/44 तहसील आरंग स्थित निजी भूमि को राजीव आगमेन्टेशन (व्यपवर्तन) योजना के अंतर्गत लिंक केनाल के निर्माण हेतु कुल खसरा नंबर 72 कुल रकबा 23.64 हेक्टर अर्थात् 58.95 एकड़ निजी भूमि के भू-अर्जन करने हेतु भू-अर्जन अधिनियम, 1894 के तहत प्रारूप अधिसूचना धारा 4 (1) क्रमांक 05 भू-अर्जन/अ-82 वर्ष 2002-03 दिनांक 28-7-03 जारी किया गया था जिसका विधिवत् प्रकाशन राजपत्र एवं दो स्थानीय समाचार पत्रों में किया जा चुका है. किन्तु बंदोबस्त त्रुटि सुधार के फलस्वरूप 24 खसरा नम्बरों की भूमि के क्षेत्रफल में परिवर्तन हो गया है जिसका विवरण निम्नानुसार है :—

सरल क्रमांक	खसरा क्रमांक	पूर्व प्रकाशित धारा 4 (1) के अनुसार क्षेत्रफल (रकबा)		बंदोबस्त त्रुटि सुधार के फलस्वरूप वर्तमान में धारा 4 (1) के लिए संशोधित क्षेत्रफल (रकबा)	
		हेक्टर में	एकड़ में	हेक्टर में	एकड़ में
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	306	0.13	0.32	0.14	0.35
2.	433	0.16	0.40	0.22	0.55
3.	440	1.95	4.87	1.97	4.92
4.	442/2	0.08	0.20	0.11	0.27
5.	443	0.20	0.50	0.23	0.57
6.	444	0.26	0.65	0.27	0.67
7.	504	0.38	0.95	0.41	1.02
8.	498	3.32	8.30	3.44	8.60
9.	500	0.48	1.20	0.51	1.27
10.	502	0.18	0.45	0.19	0.47
11.	510	0.22	0.55	0.29	0.72
12.	516	0.11	0.27	0.18	0.45
13.	517	0.15	0.37	0.09	0.22
14.	536	0.13	0.32	0.47	1.17
15.	537	0.37	0.92	0.40	1.00
16.	539	0.08	0.20	0.10	0.25
17.	540	0.09	0.22	0.10	0.25
18.	542	0.19	0.47	0.26	0.65
19.	543	0.23	0.57	0.29	0.72
20.	544	0.22	0.55	0.24	0.60
21.	545	0.14	0.35	0.15	0.37
22.	523	0.05	0.12	0.19	0.47
23.	454	0.11	0.27	0.13	0.32
24.	449	0.17	0.42	0.29	0.72

अत: इस शुद्धि पत्र के अनुसार पूर्व में प्रारूप अधिसूचना 4 (1) में प्रकाशित कुल खसरा नम्बर 72 कुल रकबा 23.64 हेक्टर अर्थात् 58.95 एकड़ भूमि के स्थान पर अब कुल खसरा नंबर 72 कुल रकबा 24.91 हेक्टर अर्थात् 62.11 एकड़ पढ़ा और माना जावें.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
विवेक देवांगन, कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव.